VRINDAVAN
Books International

BASED ON
NEP/NCF

वर्णिका

हिंदी व्याकरण

Class

7

Written by :
Author's Team
(Vidyalaya Prakashan)

Vrindavan Books International
New Delhi

INDEX

Sl. No.	Book Name	Page No.
1.	वर्णिका हिंदी व्याकरण – VII	3

Vrindavan Books International

New Delhi

Sales Office :

C-24, Jwala Nagar, Transport Nagar, Meerut - 250002

Ph. : 0121 - 2400630, 8899271392

Head Office :

A-102, Chandar Vihar, Delhi - 110092

e-mail : vidyalayaprakashan@yahoo.in

पाठ-1 : भाषा, और व्याकरण

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-

1. तीन प्रकार से	2. संकेत द्वारा	3. लिखित
4. भाषा	5. हिंदी	6. लिखित भाषा
7. लिपि	8. देवनागरी	9. खड़ी बोली
10. गर्व		

ख. इन्हें सुमेलित कीजिए -

उर्दू	फारसी
हिन्दी, संस्कृत	देवनागरी
पंजाबी	गुरुमुखी
अंग्रेजी	रोमन

ग. नीचे दिए गए शब्दों को रिक्त स्थानों में सही-सही भरिए -

1. अक्षरों	2. शब्द विचार	3. वाक्य विचार
4. तमिल	5. भाषाएँ	

घ. सत्य/असत्य लिखिए-

1. सत्य	2. असत्य	3. सत्य
4. असत्य	5. सत्य	

खण्ड 'ख'

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक पंक्ति में लिखिए।-

1. भाषा को तीन माध्यम से व्यक्त कर सकते हैं - बोलकर, लिखकर, तथा संकेत द्‌वारा।
2. अपने विचारों को प्रकट करने के माध्यम को हम भाषा कहते हैं।
3. हिन्दी और संस्कृत भाषा की लिपि का नाम देवनागरी है।
4. हमारी राष्ट्रभाषा हिंदी है।

5. रोमन अंग्रेजी भाषा की लिपि है।

6. व्याकरण के तीन भेद हैं।

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छः पंक्तियों में लिखिए-

1. जिन ध्वनियों से हम अपने विचारों को किसी माध्यम से, जैसे - बोलकर, लिखकर या संकेत द्वारा प्रकट करते हैं तब यह विचार प्रकट करने का माध्यम 'भाषा' कहलाता है, जैसे - भाषण देना, पत्र लिखना आदि।

2. जब हम अपने भाव अथवा विचारों को लिखकर प्रकट करते हैं तब यह माध्यम, लिखित भाषा कहलाता है।

   उदाहरणार्थ - 1. पत्र लिखता हुआ लड़का।
   2. निबंध लिखता हुआ लड़का।

3. भाषा का प्रयोग करते समय हमारे मुख से अनेक प्रकार की ध्वनियाँ निकलती हैं। इन ध्वनियों के कुछ विशिष्ट चिह्न होते हैं, जैसे-अ, आ, इ, क, ग, ह, ड, आदि। ये चिह्न ही लिखित तथा मौखिक भाषा का निर्माण करते हैं। चिह्नों की इस व्यवस्था को हम लिपि कहते हैं। अंग्रेजी भाषा की लिपि का नाम रोमन है।

4.

कश्मीरी	गुजराती	असमिया	बोडो
सिंधी	कन्नड़	बंगाली	मैथिली
पंजाबी	तेलुगु	मलयालम	नेपाली
मराठी	तमिल	कोंकणी	उड़िया
राजस्थानी	संथाली	संस्कृत	उर्दू
मणिपुरी	डोगरी		

5. भाषा के शुद्ध रूप से संबंधित नियमों, सीमाओं का ज्ञान कराने वाले शास्त्र को व्याकरण कहते हैं।

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ से दस पंक्तियों में लिखिए -

1. भाषा के शुद्ध रूप से संबंधित नियमों, सीमाओं का ज्ञान कराने वाले शास्त्र को व्याकरण कहते हैं। व्याकरण के तीन भेद हैं -

   1. वर्ण-विचार, 2. शब्द-विचार, 3. वाक्य-विचार

   1. **वर्ण-विचार**-इसके अंतर्गत वर्णों (अक्षरों) के रूप, भेद, प्रयोग तथा

उनकी उत्पत्ति के संबंध में ज्ञान कराया जाता है।

2. **शब्द-विचार**-इसके अंतर्गत शब्दों के रूप, भेद, प्रयोग तथा उनकी उत्पत्ति से संबंधित ज्ञान कराया जाता है।

3. **वाक्य-विचार** - इसके अंतर्गत वाक्यों की निर्माण विधि, वाक्यों के भेद, विराम चिह्न, वाक्य अलंकरण के भिन्न-भिन्न साधनों का वर्णन किया जाता है।

2. भाषा के प्राय तीन माध्यम होते हैं -

1. बोलकर (मौखिक भाषा) 2. लिखकर (लिखित भाषा)

3. संकेत द्वारा (सांकेतिक भाषा)

1. मौखिक भाषा - जब हम अपने विचारों को किसी व्यक्ति या प्राणी के समक्ष बोलकर प्रकट करते हैं, तब इसे मौखिक भाषा कहते हैं।

उदाहरण- 1. भाषण देता हुआ नेता। 2. कहानी सुनाती हुई दादी।

2. लिखित भाषा - जब हम अपने भाव अथवा विचारों को लिखकर प्रकट करते हैं, तब यह माध्यम, लिखित भाषा कहलाता है।

उदाहरण - 1. पत्र लिखता हुआ लड़का। 2. निबंध लिखता हुआ लड़का।

3. सांकेतिक भाषा - जब हम अपने मन के भाव अथवा विचार किसी दूसरे व्यक्ति के लिए न तो बोलकर और न ही लिखकर प्रकट करते हैं, बल्कि इशारे अथवा संकेत द्वारा प्रकट करते हैं, तब भाषा के इस माध्यम को सांकेतिक भाषा कहते हैं।

उदाहरण - 1. चौराहे पर खड़ा यातायात पुलिस का सिपाही इशारा करते हुए।

2. बस को हाथ देती सवारी।

3. व्याकरण के तीन भेद हैं -

1. वर्ण-विचार, 2. शब्द-विचार, 3. वाक्य-विचार

1. **वर्ण-विचार**-इसके अंतर्गत वर्णों (अक्षरों) के रूप, भेद, प्रयोग तथा उनकी उत्पत्ति के संबंध में ज्ञान कराया जाता है।

2. **शब्द-विचार**-इसके अंतर्गत शब्दों के रूप, भेद, प्रयोग तथा उनकी उत्पत्ति से संबंधित ज्ञान कराया जाता है।

3. **वाक्य-विचार** - इसके अंतर्गत वाक्यों की निर्माण विधि, वाक्यों के भेद, विराम चिह्न, वाक्य अलंकरण के भिन्न-भिन्न साधनों का वर्णन किया जाता है।

घ. इन शब्दों के अर्थ लिखिए-

1. संकेत रूप में होने वाला 2. लिखा हुआ 3. बोला हुआ

4. लिखने के लिए प्रयोग किए जाने वाले चिह्न

5. राष्ट्र के अधिकाधिक क्षेत्रों में बोली जाने वाली तथा समझी जाने वाली भाषा।

ङ. इन्हें शुद्ध करके पुनः लिखिए-

1. राम दिल्ली जा रहा है। 2. जनवरी

3. हमें अपने माता-पिता की आज्ञा का पालन करना चाहिए।

4. ईमानदारी 5. राष्ट्रीय गान

पाठ-2 : वर्ण विचार

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-

1. ध्वनि 2. ध्वनि में तोड़कर लिख रहा है।

3. 6 4. 11 5.52

6. वर्णमाला 7. विद्या 8. गृह

9. ह 10. फ, भ, ठ

ख. इनका सही मिलान कीजिए-

व्यंजन	**उदाहरण**
ऊष्म	ष
अन्तःस्थ	व
उत्क्षिप्त	ड़
संयुक्त	क्ष

ग. नीचे दिए गए शब्दों को रिक्त स्थानों में सही-सही भरिए-

1. अल्पप्राण 2. ऊपर 3. महाप्राण

4. संयुक्ताक्षर 5. मूर्धा

घ. सत्य/असत्य लिखिए-

1. असत्य 2. सत्य 3. सत्य

4. सत्य 5. असत्य

खण्ड 'ख'

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक पंक्ति में लिखिए।-

1. भाषा की सबसे छोटी इकाई वर्ण कहलाती है।
2. हिन्दी वर्णमाला में 11 स्वर तथा 33 व्यंजन होते हैं।
3. हिन्दी वर्णमाला में स्वर के तीन भेद होते हैं।
4. जिन वर्णों का उच्चारण करते समय वायु बिना रुकावट के मुख से बाहर निकल जाती है, उन्हें स्वर कहते हैं।
5. आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ।

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छः पंक्तियों में लिखिए-

1. भाषा की वह छोटी-से-छोटी इकाई, जिसके टुकड़े करना असंभव हो, वर्ण कहलाती है। वर्णों को ध्वनि-चिह्न भी कहते हैं। जैसे - क्, ग्, अ, ज्, ... आदि ।
2. जिन वर्णों का उच्चारण करते समय साँस (वायु) थोड़ी-थोड़ी रुकावट के साथ बाहर आती है, उन्हें व्यंजन कहते हैं।

क	ख	ग	घ	ङ़
च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण

3. उच्चारण के आधार पर व्यंजनों के भेद -

भेद का नाम	व्यंजन का उच्चारण स्थान	व्यंजन
1. कंठ्य व्यंजन	कंठ	क, ख, ग, घ, ङ
2. तालव्य व्यंजन	तालु	च, छ, ज, झ, ञ, श, य
3. मूर्धन्य व्यंजन	मूर्धा	ट, ठ, ड, ढ, ण, ड़, ढ़, र, ष

4. दंत्य व्यंजन	दंत	त, थ, द, ध, न, ल, स
5. ओष्ठ्य	होंठ	प, फ, ब, भ, म, व

4. श्वास के आधार पर व्यंजनों के दो भेद हैं – 1. अल्प्राण, 2. महाप्राण ।

   1. अल्पप्राण व्यंजन– जिन वर्णों के उच्चारण में श्वास की कम मात्रा मुख से निकलती है, अल्पप्राण व्यंजन कहलाते हैं। प्रत्येक वर्ग का पहला, तीसरा तथा पाँचवाँ वर्ण ('ह' को छोड़कर) अल्पप्राण होता है।

   उदाहरण – क, ग, ङ।

   2. महाप्राण व्यंजन – इनके उच्चारण में श्वास की अधिक मात्रा मुख से निकलती है, जैसे – ख, घ, आदि। प्रत्येक वर्ग का दूसरा, चौथा वर्ण तथा 'ह' महाप्राण होता है।

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ से दस पंक्तियों में लिखिए –

1. स्पर्श व्यंजन – जिन व्यंजनों का उच्चारण करते समय वायु, कंठ, तालु, मूर्धा, दंत, होंठ आदि अंगों का स्पर्श करके बाहर निकलती हैं, उन्हें स्पर्श व्यंजन कहते हैं। इन व्यंजनों की संख्या पाँच वर्गों में कुल 25 है।

   अंतः स्थ व्यंजन – स्वर और व्यंजन के बीच का–सा उच्चारण अंत:स्थ व्यंजनों का होता है। इन व्यंजनों के उच्चारण के समय वायु मुख के किसी भी भाग को स्पर्श नहीं करती है। ये हैं – य, र, ल, व।

2. 'र' के प्रयोग संबंधी मात्राएँ –

   ्र – राष्ट्र, ट्रेन, ड्रम, ट्रक   र्‍ – धर्म, कर्म, शर्म, चर्म

   ्र – प्रयोग, द्रविड़, प्रेरणा, ग्रह

3. संयुक्ताक्षर का अर्थ है–दो या दो से अधिक अक्षरों का साथ मिलकर एक अक्षर बनाना अर्थात जब हम किसी दो भिन्न अक्षरों को जोड़कर लिखते हैं तो उसे संयुक्त अक्षर कहते हैं। संयुक्ताक्षर में पहला व्यंजन स्वर मुक्त होता है और दूसरा व्यंजन स्वर रहित होता है।

   उदाहरण – द्य – विद्या, विद्यालय; व्य – व्यवहार, व्यक्ति।

4. श्वास के आधार पर व्यंजनों के दो भेद हैं – 1. अल्प्राण, 2. महाप्राण ।

   1. अल्पप्राण व्यंजन– जिन वर्णों के उच्चारण में श्वास की कम मात्रा मुख से

निकलती है, अल्पप्राण व्यंजन कहलाते हैं। प्रत्येक वर्ग का पहला, तीसरा तथा पाँचवाँ वर्ण ('ह' को छोड़कर) अल्पप्राण होता है।

उदाहरण – क, ग, ङ।

2. महाप्राण व्यंजन – इनके उच्चारण में श्वास की अधिक मात्रा मुख से निकलती है, जैसे – ख, घ आदि। प्रत्येक वर्ग का दूसरा, चौथा वर्ण तथा 'ह' महाप्राण होता है।

5. स्वर – जिन वर्णों का उच्चारण करते समय वायु बिना रूकावट के मुख से बाहर निकल जाती है, उन्हें स्वर कहते हैं। हिंदी वर्णमाला में कुल ग्यारह(11) स्वर हैं।

व्यंजन –जिन वर्णों का उच्चारण करते समय साँस (वायु) थोड़ी-थोड़ी रुकावट के साथ बाहर आती है, उन्हें व्यंजन कहते हैं। हिंदी वर्णमाला में कुल तैंतीस (33) व्यंजन हैं।

घ. इन शब्दों के अर्थ लिखिए–

1. भीतर रहने वाला 2. ध्वस्त; ऊपर उछाला हुआ

3. व्याकरण के अनुसार वह वर्ण जिसके उच्चारण में प्राण वायु का अधिक दबाव हो।

4. व्याकरण के अनुसार जिसके उच्चारण में प्राण वायु का अल्प संचार हो।

5. छूना 6. 'र' का वह रूप जो किसी अक्षर के ऊपर आने वाले स्वरांत व्यंजन पर लगाया जाता है।

ङ. इन्हें शुद्ध करके पुनः लिखिए–

1. गांधी आश्रम 2. ग्रह-नक्षत्र 3. संयुक्ताक्षर

4. अल्पप्राण 5. महाप्राण 6. वर्णमाला

7. व्यंजन 8. स्वर

पाठ-3 : शब्द विचार

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

1. विद्यालय 2. उष्ट्र 3. घी

4. श्वेत 5. गाँव

6. पगड़ी 7. गिलास

8. दशानन 9. घोड़ा

10. अनेकार्थी शब्द

ख. इन्हें सुमेलित कीजिए –

शब्द	**प्रकार**
नया–पुराना	विपरीतार्थक
हँसते–हँसते	शब्द–युग्म
ग्राम, गाँव	पर्यायवाची
घृत	तत्सम
परंतु	समुच्चयबोधक
मोर	तद्भव

ग. नीचे दिए गए शब्दों को रिक्त स्थानों में सही–सही भरिए –

1. रोते–रोते 2. नृत्य 3. रात

4. नाटक का एक दृश्य (भाग) 5. ऊपर

घ. शब्दों के सही प्रकार पर सही का चिह्न (✓) लगाइए–

1. अविकारी 2. निरर्थक 3. पर्यायवाची

4. तत्सम 5. देशज 6. रूढ़

7. अनेकार्थी 8. शब्द–युग्म

खण्ड 'ख'

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक–एक पंक्ति में लिखिए।–

1. उलटे अर्थ बताने वाले शब्दों को विलोम शब्द या विपरीतार्थक शब्द कहते हैं।
2. देशज शब्द के तीन उदाहरण–कपास, जूता, झंडा।
3. 'नीलकंठ' योगरूढ़ शब्द है।
4. समान अर्थ बताने वाले शब्दों को समानार्थी या पर्यायवाची कहते हैं।
5. के ऊपर, के पास, से दूर, के कारण, की ओर।

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छ: पंक्तियों में लिखिए-

1. एक या अधिक वर्णों के मेल को शब्द कहते हैं, जैसे – क + म + ल – कमल।
2. उत्पत्ति के आधार पर शब्दों के निम्नलिखित चार भेद हैं –

   1. तत्सम शब्द – रात्रि, सर्प आदि। 2. तद्भव शब्द – दही, साँप आदि

   3. देशज शब्द – खिड़की, डिबिया आदि।

   4. विदेशी शब्द – कॉलेज, अखबार आदि।
3. तद्भव शब्द – जो शब्द प्राय: संस्कृत के थे, वे अन्य भाषाओं के संपर्क में आने से कुछ परिवर्तित हो गए। इन्हें तद्भव शब्द कहते हैं, जैसे – लोटा, बाँह, हाथ, आँख आदि।
4. अर्थ के आधार पर शब्दों के छ: भेद हैं।

   एकार्थी शब्द–जिन शब्दों का केवल एक ही अर्थ होता है, वे एकार्थी शब्द कहलाते हैं। जैसे–कोयल, पुस्तक, नदी, यमुना, गागर आदि।

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ से दस पंक्तियों में लिखिए-

1. एक या अधिक वर्णों के मेल को शब्द कहते हैं, जैसे – क + म + ल – कमल।

   उत्पत्ति की दृष्टि से शब्दों के चार भेद निम्नलिखित हैं–

   1. तत्सम शब्द–जो शब्द हिंदी भाषा में ज्यों–के–त्यों संस्कृत से आ गए हैं, वे तत्सम शब्द कहलाते हैं, जैसे – उष्ट्र, हस्त, पुष्प, मुनि, आदि।

   2. तद्भव शब्द – जो शब्द प्राय: संस्कृत के थे, वे अन्य भाषाओं के संपर्क में आने से कुछ परिवर्तित हो गए। इन्हें तद्भव शब्द कहते हैं, जैसे – लोटा, बाँह, हाथ, आँख आदि।

   3. देशज शब्द – जो शब्द स्थानीय या क्षेत्रीय बोलियों से आकर हिंदी में शामिल हो गए हैं, वे देशज शब्द कहलाते हैं, जैसे– खटिया, बछड़ा, बछिया, पिल्ला आदि।

   4. विदेशी शब्द – हमारे देश के आजाद होने से पहले यहाँ विदेशियों का शासन रहा। उनकी जो भाषा थी उसको हमारे अनेक पूर्वजों ने ग्रहण किया और हमें लिखित रूप में प्रदान किया। आज हम उन विदेशी शब्दों का प्रयोग

अपनी भाषा में कर रहे हैं। ये शब्द मुख्यतः इंग्लैड, अरब, तुर्की तथा पुर्तगाल से आए हैं। जैसे – पुलिस, कलम, बर्फ, डायरी आदि।

2. विकारी शब्द – ऐसे शब्द जिनका रूप लिंग, काल तथा वचन का प्रयोग होने पर बदल जाता है विकारी शब्द कहलाते हैं। ये हैं (i) संज्ञा, (ii) सर्वनाम, (iii) विशेषण तथा (iv) क्रिया।

   उदाहरण–घोड़ा दौड़ रहा है। घोड़े दौड़ रहे हैं।

   अविकारी शब्द – कुछ शब्द ऐसे होते हैं जो सदैव अपने मूल रूप में ही प्रयोग किए जाते हैं, अर्थात वे लिंग, वचन, काल आदि से प्रभावित नहीं होते, इनमें कोई विकार नहीं आता है। ऐसे शब्द, अविकारी शब्द या अव्यय कहलाते हैं।

   ये हैं – क्रियाविशेषण – शीघ्र, धीरे–धीरे, जल्दी, ऊँचे स्वर में।

   समुच्चयबोधक – तथा, और, कि, लेकिन, परंतु।

   संबंधबोधक – में, पर, ऊपर, तक।

   विस्मयादिबोधक – ओह !, शाबाश !, वाह !

   अविकारी शब्दों वाले वाक्य – जल्दी–जल्दी चलो, नहीं तो रेल छूट जाएगी।

   उदाहरण – ऊँची आवाज में गाओ।

3. सार्थक शब्द– जिन शब्दों का कुछ–न–कुछ अर्थ हो, वे शब्द सार्थक शब्द कहलाते हैं। उदाहरण – रोटी, पानी, ममता, डंडा आदि।

   निरर्थक शब्द – जिन शब्दों का कोई अर्थ नहीं होता, वे शब्द निरर्थक कहलाते हैं। जैसे–रोटी–वोटी, पानी–वानी, डंडा–शंडा आदि

4.

तत्सम	तद्भव	तत्सम	तद्भव
घृत	घी	ग्राम	गाँव
उज्ज्वल	उजला	वधू	बहू
भगिनी	बहन	दंत	दाँत
हस्ती	हाथी		

घ. इन शब्दों के अर्थ लिखिए–

1. कपड़े का बना थैला 2. मृत्यु 3. स्वच्छ

4. आम 5. मोर

ङ. इन्हें शुद्ध करके पुनः लिखिए –

1. उज्ज्वल 2. दीर्घायु 3. फुटबॉल

4. अचानक 5. समुद्र

पाठ–4 : संज्ञा

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

1. संज्ञा 2. जातिवाचक संज्ञा 3. भाववाचक संज्ञा

4. जातिवाचक संज्ञा 5. इंसानियत 6. नेताजी

7. समूहवाचक संज्ञा 8. राम, सीता, लक्ष्मण

9. धातुवाचक/द्रव्यवाचक संज्ञा के 10. पशुता, बालपन

ख. इन्हें सुमेलित कीजिए–

नृप	नृपत्व
कुमार	कौमार्य
चोर	चोरी
प्रभु	प्रभुता
मित्र	मित्रता

ग. नीचे दिए गए शब्दों को रिक्त स्थानों में सही–सही भरिए–

1. मिठास, 2. सुंदरता 3. गंगा

4. नई दिल्ली, 5. रेलगाड़ी

घ. सत्य/असत्य लिखिए–

1. सत्य 2. असत्य 3. असत्य

4. सत्य

संकलित निर्धारण

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक–एक पंक्ति में लिखिए।–

1. सभी व्यक्ति/वस्तु/प्राणी के नामों को संज्ञा कहते हैं।
2. किसी व्यक्ति, वस्तु, प्राणी, स्थान, भाव आदि के नामों को संज्ञा कहते हैं। सभी नाम संज्ञा होते हैं। जैसे – राम, फूल, मेरठ, मिठास आदि ।

3. 'कोलकाता' व्यक्तिवाचक संज्ञा है।

4. 'पुरुष' की भाववाचक संज्ञा पुरुषत्व है।

5. 'कुर्सी' जातिवाचक संज्ञा है।

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छः पंक्तियों में लिखिए-

1. महात्मा गाँधी, नरेन्द्र मोदी, अमिताभ बच्चन, लड़का, मोर, रेडियो, किताब, लाल किला, अमेरिका, वीरता।
2. **संज्ञा** – किसी व्यक्ति, वस्तु, प्राणी, स्थान, भाव आदि के नामों को संज्ञा कहते हैं। सभी नाम संज्ञा होते हैं। जैसे – राम, फूल, मेरठ, मिठास आदि ।
3. **व्यक्तिवाचक संज्ञा** –जिस शब्द से किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान के नाम का बोध हो, उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं। उदाहरण–प्रेमचंद, महेन्द्र सिंह धोनी, रामायण, मुंबई, गंगा आदि।
4. **जातिवाचक संज्ञा**–जो संज्ञा शब्द अपनी संपूर्ण जाति का बोध कराते हैं, उन्हें जातिवाचक संज्ञा कहते हैं, जैसे – किसान, नौकर, माली, देश आदि।
5. **भाववाचक संज्ञा** – जो संज्ञा शब्द किसी वस्तु/व्यक्ति के गुण–दोष, भाव, दशा या मन के भाव आदि के नाम का बोध कराएँ, उन्हें भाववाचक संज्ञा कहते हैं, जैसे–मित्रता, प्यासा, दया, बुढ़ापा, क्रोध, बैर, इंसानियत, मातृत्व, स्त्रीत्व, मनुष्यता, शैशव, शत्रुता आदि ।

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ से दस पंक्तियों में लिखिए –

1. संज्ञा के पाँच भेद हैं –

   1. व्यक्तिवाचक संज्ञा
   2. जातिवाचक संज्ञा
   3. भाववाचक संज्ञा
   4. समूहवाचक संज्ञा
   5. द्रव्यवाचक संज्ञा

   व्यक्तिवाचक संज्ञा–जो संज्ञा शब्द किसी विशेष व्यक्ति, स्थान अथवा वस्तु का बोध कराते हैं। उन्हें व्यक्तिवचाक संज्ञा कहते हैं।

   उदाहरण–व्यक्ति–महात्मा गाँधी, वस्तु–रामायण, स्थान–आगरा

2. **जातिवाचक संज्ञा**–जो संज्ञा शब्द अपनी संपूर्ण जाति का बोध कराते हैं, उन्हें जातिवाचक संज्ञा कहते हैं, जैसे – किसान, नौकर, माली, देश आदि।

   भाववाचक संज्ञा – जो संज्ञा शब्द किसी वस्तु/व्यक्ति के गुण–दोष, भाव,

दशा या मन के भाव आदि के नाम का बोध कराएँ, उन्हें भाववाचक संज्ञा कहते हैं, जैसे–मित्रता, प्यासा, दया, बुढ़ापा, क्रोध, बैर, इंसानियत, मातृत्व, स्त्रीत्व, मनुष्यता, शैशव, शत्रुता आदि ।

3. व्यक्तिवाचक संज्ञा – रामायण, महाभारत, अर्जुन, मेरठ, श्याम
   जातिवाचक संज्ञा – किसान, नौकर, माली, देश, पुस्तक।
   भाववाचक संज्ञा – मित्रता, प्यास, दया, बुढ़ापा, क्रोध।
   समूहवाचक संज्ञा – सेना, भीड़, कक्षा, सभा, मंडल।
   द्रव्यवाचक संज्ञा – सोना, चाँदी, दूध, पानी घी।
4. समूहवाचक संज्ञा–जिस संज्ञा शब्द से वस्तुओं के समूह या समुदाय का बोध हो, उसे समूहवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे– समूह, गोष्ठी, झुंड, कक्षा आदि।

   द्रव्यवाचक संज्ञा – जिस संज्ञा शब्द से किसी तरल, ठोस, अधातु, धातु पदार्थ, द्रव्य आदि वस्तु का बोध हो, उसे द्रव्यवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे–तांबा, पीतल, सोना, लोहा, दूध आदि।

घ. निम्न शब्दों के अर्थ लिखिए–

1. भाई, 2. समूह
3. पशु होने की अवस्था 4. दुश्मनी
5. शिशु संबंधी

ङ. इन्हें शुद्ध करके पुनः लिखिए –

1. ऐश्वर्य 2. व्यक्तित्व 3. कौमार्य
4. ब्राह्मण 5. विद्वान

पाठ–5 : लिंग

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

1. पुल्लिंग 2. दो 3. वर्णिका पढ़ा रही है।
4. चैत्र और बैसाख 5. झोंपड़ी 6. छिपाव, भराव
7. नर कोयल 8. पुत्रवती 9. बुद्धिमती
10. जिन शब्दों से स्त्री जाति व पुरुष जाति का बोध हो

ख. इन्हें सुमेलित कीजिए–

अ	**ब**
वृद्ध	वृद्धा
पुत्र	पुत्री
दास	दासी
श्रीमान	श्रीमती
देवर	देवरानी

ग. नीचे दिए गए शब्दों को रिक्त स्थानों में सही–सही भरिए–

1. पुल्लिंग 2. स्त्रीलिंग 3. लुहारिन
4. चूहा 5. इया

घ. सत्य/असत्य लिखिए–

1. असत्य 2. असत्य 3. असत्य
4. सत्य 5. सत्य

संकलित निर्धारण

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक–एक पंक्ति में लिखिए।–

1. संज्ञा के जिस रूप से उसके नर या मादा होने की जानकारी मिलती है, उसे लिंग कहते हैं।
2. लिंग दो प्रकार के होते हैं–पुल्लिंग, स्त्रीलिंग।
3. पुल्लिंग के कोई पाँच शब्द लिखिए–घोड़ा, बैल, मोर, नायक, पंडित।
4. स्त्रीलिंग के तीन शब्द लिखिए–नायिका, सिंहनी, पत्नी।
5. कबूतरी।
6. हिरनी।

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छः पंक्तियों में लिखिए–

1. संज्ञा के जिस रूप से उसके नर या मादा होने की जानकारी मिलती है, उसे लिंग कहते हैं। उदाहरण – लड़का – पुल्लिंग, लड़की – स्त्रीलिंग।
2. पुल्लिंग– जो संज्ञा शब्द पुरुष जाति का बोध कराते हैं, उन्हें पुल्लिग कहते हैं।

   उदाहरण – घोड़ा दौड़ रहा है।   कृषांत बाजार जा रहा है।

3. **स्त्रीलिंग** –जो संज्ञा शब्द किसी स्त्री जाति का बोध कराते हैं, वे शब्द स्त्रीलिंग कहलाते हैं।

उदाहरण – घोड़ी दौड़ रही है। आयुषी स्कूल जा रही है।

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ से दस पंक्तियों में लिखिए –

1. लिंग के दो भेद हैं – 1. पुल्लिंग, 2. स्त्रीलिंग

पुल्लिंग– जो संज्ञा शब्द पुरुष जाति का बोध कराते हैं, उन्हें पुल्लिग कहते हैं। जैसे– घोड़ा दौड़ रहा है। छात्र किताब पढ़ रहा है।

स्त्रीलिंग – जो संज्ञा शब्द किसी स्त्री जाति का बोध कराते हैं, वे शब्द स्त्रीलिंग कहलाते हैं। जैसे–घोड़ी दौड़ रही है। छात्रा पत्र लिखती है।

2. **पुल्लिंग**– जो संज्ञा शब्द पुरुष जाति का बोध कराते हैं, उन्हें पुल्लिग कहते हैं।

उदाहरण – 1. घोड़ा दौड़ रहा है! 2. भैंसा घास खा रहा है।
3. कृषांत बाजार जा रहा है। 4. पुल बहुत ऊँचा है।
5. अध्यापक पढ़ा रहे हैं।

स्त्रीलिंग –जो संज्ञा शब्द किसी स्त्री जाति का बोध कराते हैं, वे शब्द स्त्रीलिंग कहलाते हैं।

उदाहरण – 1. घोड़ी दौड़ रही है 2. भैंस घास खा रही है।
3. आयुषी स्कूल जा रही है। 4. नदी बहुत गहरी है।
5. अध्यापिका पढ़ा रही है।

3. 1. जिन शब्दों के अंत में 'ई' आए वे स्त्रीलिंग शब्द होते हैं।

जैसे–हँसी, नदी, घड़ी, बकरी, मछली। अपवाद – पानी, मोती, घी।

2. नदियों के नाम स्त्रीलिंग में होते हैं । जैसे – गंगा, यमुना, सरस्वती।

3. शरीर के कुछ अंगों के नाम स्त्रीलिंग में होते हैं। जैसे–एड़ी, अँगुली, कलाई, भुजा, कमर, नाभि।

4. हिंदी में तिथियों के नाम स्त्रीलिंग होते हैं – दूज, तीज, चौथ, पंचमी, षष्ठी।

5. वे तत्सम शब्द जिनके अंत में 'आ' आता है। जैसे – योग्यता, प्रतिभा, सभा, कक्षा, सभ्यता।

6. शक्तिबोधक शब्द प्रायः स्त्रीलिंग होते हैं। जैसे – गोली, मिसाइल, तलवार, बंदूक।

घ. इन शब्दों के अर्थ लिखिए–

1. पुरुष   2. स्त्री जाति से संबंधित 3. लिखने का ढंग

4. शोभा   5. नवयुवक

ङ. निम्नलिखित वाक्यों के लिंग बदलकर पुनः लिखिए –

1. लड़की दौड़ रही है।
2. धोबिन कपड़े धो रही है।
3. शेर दहाड़ रहा है।
4. चोरनी चोरी करके भाग गयी।
5. चुहिया मेज के नीचे बैठी है।

पाठ–6 : वचन

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

1. एकवचन   2. घोड़े   3. कुत्ते

4. दो   5. बच्चे खाना खा रहे हैं।

6. एक या अनेक का बोध कराने वाले शब्द

7. संज्ञा शब्दों से   8. जनता

9. आदर के लिए   10.

ख. इन्हें सुमेल कीजिए –

बहुवचन	**एकवचन**
चिड़ियाँ	चिड़िया
आँखें	आँख
कमरे	कमरा
वस्तुएँ	वस्तु
गुरुजन	गुरु

ग. नीचे दिए गए शब्दों को रिक्त स्थानों में सही-सही भरिए -

1. लड़के 2. बच्चा 3. कलियाँ

4. बकरी 5. बसों

घ. सत्य/असत्य लिखिए -

1. सत्य 2. सत्य 3. सत्य

4. असत्य

संकलित निर्धारण

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक पंक्ति में लिखिए।-

1. 'पंखों' में बहुवचन प्रयोग हुआ है।
2. एकवचन एक संख्या का बोध कराता है।
3. बहुवचन में दो या दो से अधिक संख्या का बोध होता है।
4. 'बच्चा' में एकवचन प्रयोग हुआ है।

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छः पंक्तियों में लिखिए-

1. संज्ञा अथवा सर्वनाम का वह रूप, जो उनके एक या एक से अधिक संख्या में होने का बोध कराए, वचन कहलाता है। जैसे - घोड़ा - घोड़े, मेज - मेजें आदि।
2. एकवचन-संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसके संख्या में एक होने का बोध होता हो, उसे एकवचन कहते हैं।

   जैसे- 1. बकरी घास खा रही है।

   2. लड़का पौधों को पानी दे रहा है।

   बहुवचन- संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उनके एक से अधिक संख्या में होने का बोध हो, उसे बहुवचन कहते हैं।

   जैसे- 1. लड़कियाँ पढ़ रही हैं।

   2. कुर्सियों पर बच्चे बैठे हैं।
3. 1. पुल्लिंग शब्दों के अंत में 'आ' को 'ए' में बदलकर बहुवचन बनाना -

   उदाहरण - घोड़ा घोड़े, पत्ता पत्ते

   2. संज्ञा शब्दों के अंत में लगे 'आ' को एँ' में बदलकर -

   उदाहरण - माला मालाएँ, अध्यापिका अध्यापिकाएँ

3. इकारांत व ईकारांत स्त्रीलिंग शब्दों में (ईकारांत को इकारांत करके) 'याँ लगाने पर –

उदाहरण – दवाई	दवाइयाँ,	धोती	धोतियाँ
मिठाई	मिठाइयाँ,	ताली	तालियाँ

4. वचन का क्रिया पर प्रभाव – यदि संज्ञा एकवचन है तो क्रिया भी एकवचन होगी। यदि संज्ञा बहुवचन है तो क्रिया भी बहुवचन होगी।

   जैसे – घोड़ा दौड़ा। (एकवचन) घोड़े दौड़े। (बहुवचन)

   बच्चा रोया। (एकवचन) बच्चे रोये। (बहुवचन)

   वचन का विशेषण पर प्रभाव – संज्ञा या सर्वनाम शब्दों के वचन विशेषण को भी प्रभावित करते हैं। यदि विशेषण एकवचन है तो उससे संबंधित क्रिया भी एकवचन में आएगी। यदि विशेषण बहुवचन है तो उससे संबंधित क्रिया भी बहुवचन में आएगी।

   जैसे– मोटा आदमी आ रहा है। (एकवचन)

   मोटे आदमी आ रहे हैं। (बहुवचन)

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ से दस पंक्तियों में लिखिए –

1. एकवचन–संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसके संख्या में एक होने का बोध होता हो, उसे एकवचन कहते हैं।

   जैसे– 1. बकरी घास खा रही है।

   2. लड़का पौधाों को पानी दे रहा है।

   बहुवचन– संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उनके एक से अधिक संख्या में होने का बोध हो, उसे बहुवचन कहते हैं।

   जैसे– 1. लड़कियाँ पढ़ रही हैं।

   2. कुर्सियों पर बच्चे बैठे हैं।

घ. इन शब्दों के वचन बदलकर लिखिए–

1. गुरु	2. प्रजाजन	3. सेवाएँ
4. कुटिया	5. सड़क	6. लेखिकाएँ
7. सेना	8. छात्र	9. धोतियाँ
10. अलमारियाँ		

ङ. निम्नलिखित वाक्यों के वचन बदलकर उन्हें पुनः लिखिए -

1. कोयलें कुहू-कुहू कर रही हैं। 2. मोर नाच रहे हैं।
3. बच्चा पढ़ रहा है। 4. छात्र कक्षा में शोर मचा रहा है।
5. माला सुंदर है। 6. वह बाजार गया है।
7. कुत्ते भौंक रहे हैं। 8. घोड़ा दौड़ रहा है।

पाठ-7 : सर्वनाम

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-

1. निजवाचक सर्वनाम 2. पुरुषवाचक सर्वनाम 3. प्रश्नवाचक सर्वनाम
4. पुरुषवाचक सर्वनाम 5. मैं इसे अपने-आप कर लूँगा।
6. मुझसे 7. जैसा, वैसा, जो सो,
8. उसे 9. यह राम का घोड़ा है।
10. संज्ञा के स्थान पर बोले जाने वाले शब्दों को

ख. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए -

उदाहरण	**सर्वनाम**
मैं, तुम, वे	पुरुषवाचक
यह, ये	निश्चयवाचक
जैसा, वैसा	संबंधवाचक
कौन, किसने	प्रश्नवाचक

ग. कोष्ठकों में से उचित सर्वनाम शब्द छाँटकर नीचे दिए गए वाक्यों के रिक्त स्थानों में भरिए-

1. कहाँ 2. मैंने 3. कोई
4. यह 5. कुछ 6. स्वयं
7. जैसा 8. ये

घ. सत्य/असत्य लिखिए-

1. असत्य 2. सत्य 3. सत्य
4. सत्य 5. सत्य

संकलित निर्धारण

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक पंक्ति में लिखिए।-

1. (i) हम दिल्ली जा रहे हैं। (ii) कौन आ रहा है?
2. 'आप' मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम है।
3. 'कुछ' अनिश्चयवाचक सर्वनाम है।
4. संज्ञा के स्थान पर बोले जाने वाले शब्दों को सर्वनाम कहते हैं।
5. सर्वनाम छः प्रकार के होते हैं।
6. (i) मैं इसे स्वयं कर लूँगा। (ii) वह अपने-आप पढ़ रहा है।

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छः पंक्तियों में लिखिए-

1. जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किये जाते हैं, उन्हें सर्वनाम कहते हैं। सर्वनाम के निम्न छः भेद हैं-

   1. पुरुषवाचक सर्वनाम 2. निश्चयवाचक सर्वनाम
   3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम 4. प्रश्नवाचक सर्वनाम
   5. संबंधवाचक सर्वनाम 6. निजवाचक सर्वनाम

2. सर्वनाम छः प्रकार के होते हैं। प्रत्येक के नाम तथा उदाहरण निम्नलिखित हैं-

   1. पुरुषवाचक सर्वनाम - वह स्कूल जा रहा है।
   2. निश्चयवाचक सर्वनाम - यह मेरी पुस्तक है।
   3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम - दरवाजे पर कोई खड़ा है।
   4. प्रश्नवाचक सर्वनाम - क्या वह सो रहा है ?
   5. संबंधवाचक सर्वनाम - जैसा कर्म, वैसा फल।
   6. निजवाचक सर्वनाम - मैं अपनी गाड़ी से स्कूल जाऊँगा।

3. निश्चयवाचक सर्वनाम - जो सर्वनाम पास या दूर की किसी निश्चित वस्तु अथवा व्यक्ति का ज्ञान कराता है, उसे निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं।
   उदाहरण - (i) यह मेरा कुत्ता है ।
   (ii) वे उस विद्यालय के विद्यार्थी हैं।

4.

कारक	**एकवचन**	**बहुवचन**
कर्ता	वह, उसके	वे, उन्होंने
कर्म	उसे, उसको	उन्हें, उनको

करण	उससे, उसके द्‌वारा	उनसे, उनके द्‌वारा
संप्रदान	उसके लिए	उनके लिए
अपादान	उससे	उनसे
संबंध	उसका, उसकी, उसके	उनका, उनकी, उनके
अधिकरण	उसमें, उस पर	उनमें, उन पर
संबोधन	–	–

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ से दस पंक्तियों में लिखिए –

1. निश्चयवाचक सर्वनाम– जो सर्वनाम पास या दूर की किसी निश्चित वस्तु अथवा व्यक्ति का ज्ञान कराता है, उसे निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं।

उदाहरण – (i) यह मेरा कुत्ता है ।

(ii) वे उस विद्‌यालय के विद्‌यार्थी हैं।

अनिश्चयवाचक सर्वनाम – जो सर्वनाम किसी अनिश्चित व्यक्ति या वस्तु आदि का ज्ञान कराते हैं, उन्हें अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं।

उदाहरण – (i) दूध में कुछ गिरा हुआ है। (ii) दरवाजे पर कोई है।

2. पुरुषवाचक सर्वनाम–जो सर्वनाम बोलने वाले, सुनने वाले या किसी अन्य

उदाहरण – 1. अब हम दिल्ली जा रहे हैं।

2. वह बोला कि तुम अपराधी हो।

3. 1. पुरुषवाचक सर्वनाम –

उदाहरण – (i) अब हम दिल्ली जा रहे हैं। (ii) वह स्कूल जा रहा है।

2. निश्चयवाचक सर्वनाम–

उदाहरण – (i) यह मेरा कुत्ता है । (ii) यह मेरी पुस्तक है।

3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम –

उदाहरण – (i) दूध में कुछ गिरा हुआ है। (ii) दरवाजे पर कोई खड़ा है।

4. प्रश्नवाचक सर्वनाम –

उदाहरण – (i) तुम कहाँ जा रहे हो। (ii) क्या वह सो रहा है ?

5. संबंधवाचक सर्वनाम–

उदाहरण – (i) जैसा करोगे वैसा भरोगे। (ii) जैसा कर्म, वैसा फल।

6. निजवाचक सर्वनाम–

उदाहरण – (i) मैं इसे स्वयं कर लूँगा।

(ii) मैं अपनी गाड़ी से स्कूल जाऊँगा।

4.

कारक	सदैव बहुवचन
कर्ता	आप, आपने
कर्म	आपको
करण	आपसे
संप्रदान	आपके लिए, आपको
अपादान	आपसे, आपके द्‌वारा
संबंध	आपका, आपकी, आपके
अधिकरण	आप में, आप पर
संबोधन	–

घ. इन शब्दों के अर्थ लिखिए–

1. जीव 2. सबसे बढ़िया 3. मध्य का

4. ऐसा पदसमूह, जिसका अपना अर्थ हो

5. प्रश्न या सूचक

6. स्वयं का बोध कराने वाला

ङ. इन वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए –

1. मैं बाजार जा रहा हूँ।
2. सीता बहुत मेहनती लड़की है। वह बहुत ईमानदार भी है।
3. हम सुबह जल्दी जग जाते हैं।
4. तालाब में हमने कमल के फूल देखे। वे बहुत ही मनोहारी थे।

पाठ–8 : कारक

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

1. आठ 2. कारक कहते हैं 3. कर्ता

4. अलग होने का भाव प्रकट हो 5. कर्ता कारक

6. संबंध कारक	7. क्रिया के होने के स्थान का	
8. अधिकरण कारक	9. का, की, के	10. संबोधन कारक का

ख. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए-

कारक	**कारक-चिह्न**
कर्म	को
कर्ता	ने
करण	से (साधन)
संबोधन	हे !, अरे !
संबंध	का, की, के
अपादान	से (अलग होने का भाव)

ग. निम्नलिखित वाक्यों में दिए गए रिक्त स्थानों में उचित कारक चिह्न लिखिए-

1. से	2. पर	3. ने
4. का	5. की, का	6. में
7. ने, को, से	8. पर	

घ. सत्य/असत्य लिखिए-

1. सत्य	2. असत्य	3. सत्य
4. असत्य	5. असत्य	

संकलित निर्धारण

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक पंक्ति में लिखिए।-

1. कर्ता कारक का परसर्ग ने है।
2. जिस पर कार्य का प्रभाव पड़े, वह कर्म कारक होता है।
3. संबंध कारक में हम का, की, के चिह्नों का प्रयोग करते हैं।
4. सम्प्रदान कारक का एक उदाहरण -मैंने माँ के लिए साड़ी खरीदी।
5. 'वृक्ष से फल गिरा' में अपादान कारक का बोध होता है।
6. विभक्ति चिह्न आठ प्रकार के होते हैं।

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छः पंक्तियों में लिखिए-

1. संज्ञा या सर्वनाम का वह रूप जिससे वाक्य की क्रिया के संबंध को जाना जाए, वह कारक कहलाता है।

2. कर्म कारक–क्रिया के कार्य का प्रभाव या फल जिस व्यक्ति या वस्तु पर पड़ता है, उसे कर्म कारक कहते हैं।

3.

कारक	चिह्न	लक्षण
1. कर्ता	ने	क्रिया को करने वाला।
2. कर्म	को	जिस पर क्रिया का फल पड़े।
3. करण	से	जिससे क्रिया की जाय
4. संप्रदान	को, के लिए	जिसके लिए क्रिया की जाए
5. अपादान	से	अलग होने का भाव
6. संबंध	का, की, के,	संज्ञा का अन्य शब्दों से संबंध
7. अधिकरण	में, पर	क्रिया के स्थान का बोध
8. संबोधन	हे !, अरे !	किसी को पुकारे जाने का बोध

4. कारक के सभी भेदों के नाम–

1. कर्ता कारक, 2. कर्म कारक,
3. करण कारक 4. संप्रदान कारक
5. अपादान कारक 6. संबंध कारक
7. अधिकरण कारक 8. संबोधन कारक

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ से दस पंक्तियों में लिखिए –

1. संज्ञा या सर्वनाम का वह रूप जिससे वाक्य की क्रिया के संबंध को जाना जाए, वह कारक कहलाता है।

कारक	कारक चिह्न	उदाहरण
1. कर्ता	ने	राम ने रावण को मारा।
2. कर्म	को	माँ ने बालक को सुलाया।
3. करण	से	मैंने करण से रुपये माँगे।
4. संप्रदान	को, के लिए	रमा ने अपने भाई के लिए नए कपड़े खरीदे।
5. अपादान	से	छत से बच्चा गिरा।
6. संबंध	का, की, के,	यह मेरा घर है।

	रा, री, रे	
7. अधिकरण	में, पर	बंदर पेड़ पर बैठा है।
8. संबोधन	हे !, अरे !	हे भगवान! बहुत ठंड कर दी।

2. कारक के आठ भेद हैं–

   1. कर्ता कारक – कर्ता संज्ञा या सर्वनाम का वह रूप है जिससे काम होने या करने का बोध होता है।

   2. कर्म कारक – क्रिया के कार्य का प्रभाव या फल जिस व्यक्ति या वस्तु पर पड़ता है, उसे कर्म कारक कहते हैं।

   3. करण कारक – संज्ञा के जिस रूप से क्रिया के साधन का ज्ञान हो अर्थात क्रिया जिस साधन से संचालित की जाये, उसे करण कारक कहते हैं।

   4. संप्रदान कारक – जिसके लिए क्रिया की जाए, वह संप्रदान कारक कहलाता है।

   5. अपादान कारक – संज्ञा या सर्वनाम का वह रूप, जिससे एक वस्तु का दूसरी वस्तु से अलग होना या तुलना करना जाना जाए, अपादान कारक कहलाता है।

   6. संबंध कारक – संज्ञा या सर्वनाम का वह रूप, जिससे किसी एक वस्तु या व्यक्ति का दूसरे व्यक्ति या वस्तु से संबंध प्रकट हो, संबंध कारक कहलाता है।

   7. अधिकरण कारक – संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से क्रिया होने के स्थान का पता चले, वह अधिकरण कारक कहलाता है।

   8. संबोधन कारक – शब्द का वह रूप, जिससे किसी व्यक्ति/प्राणी को पुकारे जाने का बोध हो, संबोधन कारक कहलाता है।

3. अपादान कारक – संज्ञा या सर्वनाम का वह रूप, जिससे एक वस्तु का दूसरी वस्तु से अलग होना या तुलना करना जाना जाये, अपादान कारक कहलाता है। जैसे– छत से बच्चा गिरा।

   करण कारक – संज्ञा के जिस रूप से क्रिया के साधन का ज्ञान हो अर्थात क्रिया जिस साधन से संचालित की जाये, उसे करण कारक कहते हैं।

   जैसे – चिंकी ने पेन से पत्र लिखा।

4. अधिकरण कारक – संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से क्रिया होने के स्थान का पता चले, वह अधिकरण कारक कहलाता है।
   जैसे – गिलहरी पेड़ पर चढ़ रही है।

घ. इन शब्दों के अर्थ या संक्षिप्त परिभाषा लिखिए–

1. संबंध का बोध कराने वाला   2. अलगाव, दूर करना
3. जरिया   4. दान देने का भाव
5. कथा   6. विभाग

ङ. इन वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए –

1. छत पर बंदर बैठा है।
2. कृतिका टब में नहा रही है।
3. वर्णिका ने खाना खा लिया।
4. दया बाजार से फल लाई।

पाठ–9 : विशेषण

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

1. गुणवाचक   2. संकेतवाचक   3. संख्यावाचक
4. संख्यावाचक   5. संख्यावाचक
6. जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं
7. चार   8. आकाश के रंग के बारे में
9. संज्ञा–सर्वनाम से पहले   10. संकेतवाचक

ख. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए–

लम्बा, चौड़ा, बड़ा	आकार
लाल, नीला, हरा	रंग
मेहनती, झूठा, सच्चा	गुण–दोष
मीठा, खट्टा, कड़वा	स्वाद
ऊपर, नीचे, भीतर	स्थान

ग. रंगीन विशेषण शब्द के भेद लिखिए–

1. काला	2. ईमानदार	3. चमकीले
4. अनेक	5. मीठा	6. रसीले
7. हरी	8. शर्मीली	

घ. सत्य/असत्य लिखिए–

1. असत्य	2. सत्य	3. सत्य
4. असत्य	5. असत्य	

संकलित निर्धारण

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक–एक पंक्ति में लिखिए।–

1. मोटा, भारी भरकम।
2. रसीला, बेईमान, लालची।
3. 'पीला कुरता' में पीला विशेषण है।
4. विशेषण संज्ञा तथा सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताते हैं।
5. विशेषण चार प्रकार के होते हैं।
6. निश्चित संख्यावाचक विशेषण में गिनने योग्य संख्याएँ दी जाती हैं, यही इनकी पहचान है।

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छः पंक्तियों में लिखिए–

1. संज्ञा या सर्वनाम या अन्य शब्दों की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं। जैसे–काला, मीठा, लंबा, ऊँचा आदि।
2. विशेषण चार प्रकार के होते हैं। किन्हीं दो विशेषणों के दो–दो उदाहरण निम्नलिखित हैं –

   1. **गुणवाचक विशेषण** – 1. वकील ने काला कोट पहना हुआ था।
      2. मेरे पिताजी एक ईमानदार व्यक्ति हैं।

   2. **संख्यावाचक विशेषण** – 1. घर के आँगन में तीन वृक्ष है।
      2. कई बच्चे पिकनिक पर गए हैं।

3. **संख्यावाचक विशेषण** –जो विशेषण शब्द संज्ञा शब्दों की संख्या का बोध कराते हैं, उन्हें संख्यावाचक विशेषण कहते हैं।

   उदाहरण – 1. पेड़ पर चार बंदर हैं । 2. नौ देवियाँ हैं।

4. **परिमाणवाचक विशेषण** – जो शब्द किसी संज्ञा या सर्वनाम के नाप–तौल का बोध कराएं, वे शब्द परिमाणवाचक विशेषण कहलाते हैं।

उदाहरण – दो किलो चीनी, पाँच लीटर तेल आदि।

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ से दस पंक्तियों में लिखिए –

1. निश्चित संख्यावाचक विशेषण – ऐसे विशेषण जो हमें किसी भी वस्तु, व्यक्ति (संज्ञा) एवं सर्वनाम की निश्चित संख्या का बोध कराएं, उन्हें निश्चित संख्यावाचक विशेषण कहते हैं ।

   जैसे – चार वृक्ष, आठ गाय, एक दर्जन संतरे आदि।

   अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण–जिन विशेषण शब्दों से किसी निश्चित संख्या का पता नहीं चलता अर्थात ये विशेषण वस्तु अथवा पदार्थ की किसी निश्चित संख्या का बोध नहीं कराते हैं उन्हें अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण कहते हैं। इस प्रकार के विशेषणों के लिए बहुत, काफी, थोड़ा, कई, कुछ आदि शब्दों का प्रयोग किया जाता है।

   उदाहरण – कई लोग, बहुत पक्षी आदि।

2. विशेषण के चार भेद हैं –

   1. गुणवाचक विशेषण, 2. संख्यावाचक विशेषण,

   3. परिमाणवाचक विशेषण, 4. संकेतवाचक विशेषण

   1. **गुणवाचक विशेषण** – जो विशेषण शब्द विशेष्य के गुण–दोष आदि का बोध कराते हैं, वे गुणवाचक विशेषण कहलाते हैं।

   उदाहरण – काला, मीठा, लंबा, ऊँचा आदि।

   2. **संख्यावाचक विशेषण** –जो विशेषण शब्द संज्ञा शब्दों की संख्या का बोध कराते हैं, उन्हें संख्यावाचक विशेषण कहते हैं।

   उदाहरण – 1. पेड़ पर चार बंदर हैं । 2. नौ देवियाँ हैं।

   3. **परिमाणवाचक विशेषण** – जो शब्द किसी संज्ञा या सर्वनाम के नाप–तौल का बोध कराएं, वे शब्द परिमाणवाचक विशेषण कहलाते हैं।

   उदाहरण – दो किलो चीनी, पाँच लीटर तेल आदि।

   4. **सार्वजनिक या संकेतवाचक विशेषण** – वे विशेषण शब्द जिनके द्‌वारा संज्ञा अथवा सर्वनाम शब्दों की ओर संकेत किया जाता है,

संकेतवाचक अथवा सार्वनामिक विशेषण कहलाते हैं। जैसे–वह लड़की, यह पुस्तक, ये लड़कियाँ आदि।

3. **गुणवाचक विशेषण** – जो विशेषण शब्द विशेष्य के गुण–दोष आदि का बोध कराते हैं, वे गुणवाचक विशेषण कहलाते हैं।

उदाहरण – काला, मीठा, लंबा, ऊँचा आदि।

परिमाणवाचक विशेषण – जो शब्द किसी संज्ञा या सर्वनाम के नाप–तौल का बोध कराएं, वे शब्द परिमाणवाचक विशेषण कहलाते हैं।

उदाहरण – दो किलो चीनी, पाँच लीटर तेल आदि।

4. **संख्यावाचक विशेषण** –जो विशेषण शब्द संज्ञा शब्दों की संख्या का बोध कराते हैं, उन्हें संख्यावाचक विशेषण कहते हैं।

उदाहरण – 1. पेड़ पर चार बंदर हैं । 2. नौ देवियाँ हैं।

परिमाणवाचक विशेषण – जो शब्द किसी संज्ञा या सर्वनाम के नाप–तौल का बोध कराएं, वे शब्द परिमाणवाचक विशेषण कहलाते हैं।

उदाहरण – दो किलो चीनी, पाँच लीटर तेल आदि।

घ. इन शब्दों के अर्थ लिखिए–

1. एक दिन में होने वाला 2.बिक्री के योग्य 3. पालने–पोसने की क्रिया
4. पूजने योग्य 5. नकली 6. भागा हुआ

ङ. इन वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए –

1. राधेश काली गेंद से खेल रहा है।
2. हमें रास्ते में एक अंधा व्यक्ति दिखाई दिया।
3. रामू ने काला कोट पहन रखा है।
4. अध्यापक को मेहनती बच्चे बहुत अच्छे लगते हैं।
5. साबिया हरे पेन से लिख रही है।

पाठ–10 : क्रिया

रचनात्मक निर्धारण

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

1. जिन शब्दों से कार्य के करने या होने का बोध हो 2. दो प्रकार की

3. पाँच प्रकार की   4. सकर्मक क्रिया   5. प्रेरणार्थक क्रिया

6. पूर्वकालिक क्रिया   7. प्रेरणार्थक क्रिया   8. पूर्वकालिक क्रिया

9. धातु कहते हैं।   10. पूर्वकालिक क्रिया

ख. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए –

नहाना	नहा
सुनाना	सुन
पढवाना	पढ़
चलवाना	चल
चिपकाना	चिपक
टहलाना	टहल
समझाना	समझ

ग. कोष्ठकों में से उचित क्रिया शब्द छाँटकर नीचे दिए गए वाक्यों के रिक्त स्थानों में भरिए –

1. पी रही   2. लिखता   3. लिखी

4. दौड़ रहा   5. कर लिया   6. गई

7. थककर   8. तुतलाना

घ. सत्य/असत्य लिखिए–

1. सत्य   2. असत्य   3. सत्य

4. सत्य   5. असत्य

संकलित निर्धारण

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक पंक्ति में लिखिए।–

1. कार्य के करने या होने के बोध को क्रिया कहते हैं।
2. कर्म के आधार पर क्रिया के दो भेद होते हैं।
3. 'कौए ने केंचुए को पकड़ा।' इस वाक्य में सकर्मक क्रिया है ।
4. अकर्मक क्रिया में सीधा प्रभाव कर्ता पर पड़ता है।
5. एककर्मक व द्विकर्मक सकर्मक क्रिया के दो भेद हैं ।
6. 'सवेरा हो गया।' इस वाक्य में अकर्मक क्रिया प्रयुक्त हुई है।

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच-छह पंक्तियों में लिखिए-

1. जिन शब्दों से किसी काम/कार्य के करने या होने का बोध हो, उन्हें क्रिया कहते हैं। जैसे-खाना, पीना, देखना, हल चलाना आदि।
2. कर्म के आधार पर क्रिया के दो भेद हैं -

   1. सकर्मक क्रिया, 2. अकर्मक क्रिया।

   1. सकर्मक क्रिया - जिन वाक्यों में कर्म होता है अर्थात् क्रिया के साथ कर्म का प्रयोग होता है, वे सकर्मक क्रियाएँ कहलाती हैं।

   उदाहरण - 1. कौए ने केंचुए को पकड़ा। 2. राम ने रावण को मारा।

   2. अकर्मक क्रिया- जिन क्रियाओं के साथ कर्म का अभाव होता है, उन्हें अकर्मक क्रियाएँ कहते हैं।

   उदाहरण - 1. सवेरा हो गया। 2. लड़की सो गई।
3. सकर्मक क्रिया - जिन वाक्यों में कर्म होता है अर्थात क्रिया के साथ कर्म का प्रयोग होता है, वे सकर्मक क्रियाएँ कहलाती हैं।

   उदाहरण - 1. कौए ने केंचुए को पकड़ा। 2. राम ने रावण को मारा।
4. अकर्मक क्रिया- जिन क्रियाओं के साथ कर्म का अभाव होता है, उन्हें अकर्मक क्रियाएँ कहते हैं।

   उदाहरण - 1. सवेरा हो गया। 2. लड़की सो गई।

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ-दस पंक्तियों में लिखिए -

1. रचना या प्रयोग के आधार पर क्रिया के पाँच भेद हैं-

   1. सामान्य क्रिया 2. संयुक्त क्रिया 3. नामधातु क्रिया

   4. प्रेरणार्थक क्रिया 5. पूर्वकालिक क्रिया

   सामान्य क्रिया - जब भी किसी वाक्य में केवल एक ही क्रिया का प्रयोग किया जाता है तो वह क्रिया सामान्य क्रिया कहलाती है।

   उदाहरण - 1. बालक को नहाना है। 2. कुत्ता भौंकता है।
2. प्रेरणार्थक क्रिया-ऐसी क्रियाएं जिनमें कर्ता स्वयं कार्य न करके किसी और को कार्य करने की प्रेरणा देता है, प्रेरणार्थक क्रिया कहलाती है।

   उदाहरण - 1. रमेश ड्राइवर से गाड़ी चलवाता है।

   2. पिता पुत्र से पत्र लिखवाता है।

3. प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया– क्रिया का वह रूप जिसमें कर्ता स्वयं भी कार्य में सम्मिलित होता हुआ कार्य करने की प्रेरणा देता है तो क्रिया के उस रूप को प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया कहते हैं ।

उदाहरण – 1. मोहन सबको गीत सुनाता है ।

2. गीता बच्चों को हिंदी पढ़ाती है।

द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया–क्रिया का वह रूप जिसके कर्ता स्वयं कार्य न करके दूसरे को काम करने की प्रेरणा देता है, उसे द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया कहते हैं।

उदाहरण – 1. माँ बेटी से खाना बनवाती है।

2. राधा सखी से पत्र लिखवाती है।

4. संयुक्त क्रिया– ऐसी क्रिया जो किन्हीं दो क्रियाओं के मिलने से बने, वह संयुक्त किया कहलाती है।

उदाहरण– 1. प्रियंका ने दूध पी लिया। 2. मोहन नाचने लगा।

पूर्वकालिक क्रिया – जब किसी वाक्य में दो क्रियाएं एक साथ प्रयुक्त हुई हों और उनमें से एक क्रिया दूसरी क्रिया से पहले संपन्न हुई हो तो पहले संपन्न होने वाली क्रिया को पूर्वकालिक कहते हैं।

उदाहरण– 1. मोहित खेलकर पढ़ने बैठेगा।

2. रमेश चाय बनाकर नमकीन लेने गया।

घ. इन शब्दों के अर्थ लिखिए –

1. जिन वाक्यों में एक कर्म हो। 2. दो कर्मवाली क्रिया
3. जिसके लिए कर्म की आवश्यकता न हो 4. क्रियाशील, कर्मयुक्त
5. प्रेरणारूप में होने वाला 6. पूर्वकाल संबंधी

ङ. इन वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए –

1. मैंने कार्य कर बना लिया है।
2. शशिबाला खाना बना रही है।
3. कोयल कुहु–कुहु कर रही है।
4. आज बरसात होने की संभावना है।

पाठ-11 : काल

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-

1. समय का बोध कराने वाले शब्दों को   2. तीन

3. जिस क्रिया के होने में संदेह हो   4. वर्तमान काल कहते हैं

5. मैं पानी पी रही हूँ   6. मैं विद्यालय जा रहा हूँ

7. वर्षा होगी   8. बादल गरज रहे थे

9. गीता किताब खरीदेगी   10. जहाँ क्रिया दूसरी क्रिया पर निर्भर होती है

ख. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए -

पक्षी उड़ते हैं।	सामान्य वर्तमान काल
सतेन्द्र घर का चुका होगा।	संदिग्ध भूतकाल
वह बाजार जा रहा था।	अपूर्ण भूतकाल
शायद आज वे दिल्ली जाएँ।	सम्भाव्य भविष्यत् काल
बच्चा सो गया।	सामान्य भूतकाल
वह अब चल दिया होगा।	संदिग्ध वर्तमान काल

ग. कोष्ठकों में से उचित शब्द छाँटकर नीचे दिए गए वाक्यों के रिक्त स्थानों में भरिए -

1. तीन   2. काल   3. भूतकाल

4. संदिग्ध   5. चल रहा है   6. वर्तमान काल

7. आसन्न

घ. सत्य/असत्य लिखिए-

1. सत्य   2. सत्य   3. सत्य

4. असत्य   5. असत्य

संकलित निर्धारण

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक पंक्ति में लिखिए।-

1. काल के तीन भेद होते हैं।
2. काल के प्रत्येक भेद के नाम-1. वर्तमान काल, 2. भूतकाल, 3. भविष्य काल

3. वर्तमान काल से क्रिया का चल रहे समय में होने का बोध होता है।

4. 'श्याम खाना खाएगा।' इस वाक्य में भविष्यत् काल का बोध हो रहा है।

5. 'वह बाजार जा रहा था।' इस वाक्य में भूतकाल के अपूर्ण भूतकाल भेद का बोध होता है।

6. 'शायद आज वे अलीगढ़ जाएँ।' इस वाक्य में 'शायद' शब्द से संभाव्य भविष्यत् काल का बोध होता है।

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छः पंक्तियों में लिखिए-

1. क्रिया के जिस रूप से काम के होने के समय का पता चले, उसे काल कहते हैं।

   उदाहरणार्थ-1. मोहन खेल रहा है। 2. वर्षा हुई थी।

   3. राम खेलेगा।

2. काल के तीन भेद हैं-

   1. **वर्तमान काल** - **उदाहरण** - 1. श्याम बाजार जा रहा है।

   2. **भूतकाल-** **उदाहरण** - 1. वर्षा हुई थी।

   3. **भविष्यत् काल** -**उदाहरण** -1. हम कल घूमने जाएँगे।

3. **वर्तमान काल के भेद**- वर्तमान काल के छः भेद व उनके उदाहरण-

   1. सामान्य वर्तमान काल -वह खाना खाता है।

   2. अपूर्ण या तात्कालिक वर्तमान काल - वह खाना खा रहा है।

   3. पूर्ण वर्तमान काल - महेश विद्यालय जा चुका है ।

   4. संदिग्ध वर्तमान काल - बीना कक्षा में पढ़ती होगी।

   5. संभाव्य वर्तमान काल - शायद वह फल तोड़ता हो।

   6. पूर्ण सातत्य वर्तमान काल - सचिन पहले से ही क्रिकेट खेलता रहा है।

4. **भूतकाल** -क्रिया के जिस रूप से पता चलता है कि कार्य बीते समय में हो चुका है, काम के उस समय को भूतकाल कहते हैं।

   उदाहरण- 1. नेताजी ने भाषण दिया। 2. वर्षा हो रही थी।

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ-दस पंक्तियों में लिखिए -

1. क्रिया के जिस रूप से काम होने के समय का पता चले, उसे काल कहते हैं। काल के तीन भेद हैं:-1. वर्तमान काल, 2. भूतकाल, 3. भविष्यत् काल।

1. वर्तमान काल:-क्रिया के जिस रूप से यह पता चले कि काम अभी चल रहा है। उसे वर्तमानकाल कहते हैं।
   उदाहरण:-मीना सो रही है। वह पत्र लिखती है।
2. भूतकाल:-क्रिया के जिस रूप से बीते हुए समय का बोध हो, उसे भूतकाल कहते हैं।
   उदाहरण:- राधा ने गीत गाया। मैं खाना खा चुका हूँ।
3. भविष्यत् काल:-क्रिया के जिस रूप से उसके आने वाले समय में होने का पता चले उसे भविष्यत् काल कहते हैं।
   उदाहरण:- हम मैच देखेंगे। आज वर्षा होगी।

2. आसन्न भूतकाल:-क्रिया के जिस रूप से यह पता चले कि क्रिया अभी कुछ समय पहले ही पूर्ण हुई है। उसे आसन्न भूतकाल कहते हैं।
   उदाहरण:- 1. बालक सो चुका है। 2. मैं अभी सोकर उठा हूँ।
   संदिग्ध वर्तमान काल:-क्रिया के जिस रूप से बीत रहे समय में किसी काम के होने में संदेह प्रकट हो, उसे संदिग्ध वर्तमान काल कहते हैं।
   उदाहरण:- 1. बारिश हो रही होगी। 2. बच्चा सो रहा होगा।
3. क्रिया के जिस रूप से यह बोध हो कि काम अभी चल रहा है, उसे अपूर्ण वर्तमान काल कहते हैं।
   उदाहरण:-1. वर्षा हो रही है। 2. अध्यापिका पढ़ा रही है।
4. ऐसी क्रिया जिसमें किसी काम के करने या होने की संभावना पायी जाए, उसे संभाव्य भविष्यत्काल कहते हैं।
   उदाहरण:-हो सकता है कि आज वर्षा है। शायद आज हम घूमने जाएँ।

घ. इन शब्दों के अर्थ लिखिए -

1. हो सकने योग्य 2. जो पूरा न हो

3. क्रिया के जिस रूप से यह पता चलता है कि क्रिया कुछ समय पूर्व समाप्त हुई है।

4. संदेहयुक्त

5. क्रिया के जिस रूप से एक कार्य का पूरा होना दूसरी आने वाली समय की क्रिया पर निर्भर हो।

6. साधारण

ङ. इन वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए-

1. मैं इस मकान में पिछले चार वर्षों से रह रहा हूँ।
2. यदि कल बरसात हुई तो उसमें मैं अवश्य नहाऊँगा।
3. पिछले रविवार को मैं दिल्ली गया था।
4. सोहन आज बाजार गया है।

पाठ-12 : अव्यय एवं निपात

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-

1. रीतिवाचक

2. क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्दों को		3. समय का
4. क्रिया के परिमाण का	5. चार	6. कार्य के करने पर
7. परिमाणवाचक	8. कालवाचक	9. परिमाणवाचक
10. कालवाचक	11. निपात	12. मात्र
13. तक	14. तो	15. तक

ख. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए -

जल्दी-जल्दी	क्रियाविशेषण
इसीलिए	समुच्चयबोधक
के सहारे	संबंधबोधक
तक	निपात
शाबाश	विस्मयादिबोधक

ग. निम्नांकित वाक्यों में से क्रिया-विशेषण शब्द छाँटकर लिखिए-

1. पर	2. इसीलिए	3. मात्र
4. आह!	5. या तो	6. जी ठीक

घ. सत्य/असत्य लिखिए-

1. सत्य	2. असत्य	3. सत्य
4. सत्य		

संकलित निर्धारण

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक पंक्ति में लिखिए।-

1. संयोजक के उदाहरण - 1. वह धनी है तथा दयालु भी है।
2. सुमन और पुष्पा साथ-साथ घूमती हैं।

संकेत सूचक समुच्चयबोधक के उदाहरण -

1. यद्यपि वह बुद्धिमान है तथापि आलसी भी।
2. ज्योंहि मैंने दरवाजा खोला त्योहिं बिल्ली अंदर घुस गई।

2. तनिक, काफी, लगभग आदि परिमाणवाचक क्रियाविशेषण अव्यय हैं ।

3. 1. पिता जी के सामने गलती करने पर मुझे डाँट पड़ी।

   2. दक्षिण दिशा में मेरा घर है।

   3. घर की तरफ जाते हुए मेरा पैर फिसल गया।

4. समुच्चबोधक दो या दो से अधिक शब्द, वाक्य या वाक्यांशों को जोड़ने के लिए प्रयोग करते हैं।

5. विस्मयादिबोधक का प्रयोग आश्चर्य, हर्ष, शोक, घृणा आदि भावों को दर्शाने के लिये करते हैं।

6. 1. तुमने तो हद कर दी। 2. तुम्हें आज रात रुकना ही पड़ेगा।

   3. मैं भी आपके साथ घूमने चलूँगा।

   4. उसने मुझसे बात तक नहीं की।

   5. हमने ही यह कार्य पूरा किया है।

ख. 1. जिन शब्दों पर लिंग, वचन, कारक आदि के बदलने से कोई प्रभाव नहीं पड़ता, ऐसे शब्दों को हम अव्यय या अविकारी शब्द कहते हैं।

2. जिन शब्दों के द्वारा संज्ञा या सर्वनाम शब्दों का संबंध वाक्य के अन्य शब्दों के साथ जुड़ता है, उन्हें संबंधबोधक कहते हैं।

3. जो अविकारी शब्द दो शब्दों, वाक्यों या वाक्यांशों को जोड़ते हैं, उन्हें समुच्चयबोधक कहते हैं।

4. विस्मयादिबोधक का प्रयोग आश्चर्य, हर्ष, शोक, घृणा आदि भावों को दर्शाने के लिये प्रयोग करते हैं।

   उदाहरण – 1. हाय ! वह गिर गया।

   2. वाह ! तुमने तो कमाल कर दिया।

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ-दस पंक्तियों में लिखिए –

1. ऐसे शब्द, जिसके रूप में लिंग, वचन और कारक इत्यादि के कारण कोई विकार नहीं होता, अव्यय कहलाते हैं ।

   अव्यय पाँच प्रकार के होते हैं –

   1. क्रिया विशेषण, 2. संबधबोधक 3. समुच्चयबोधक 4. विस्मयादिबोधक 5. निपात।

2. क्रिया विशेषण के प्रकार एवं उदाहरण –

1. काल वाचक क्रिया विशेषण –

उदाहरण– 1. रमेश परसों चला जायेगा।

2. अजीत कल पढ़ेगा। 3. रोहन प्रतिदिन खेलने जाता है।

4. बच्चे नित्य पढ़ते हैं। 5. मैं दिनभर सोता रहा।

2. स्थानवाचक क्रिया विशेषण –

उदाहरण – 1. तुम्हार घर वहाँ है।

2. तुम कहाँ घूमने जाओगे। 3. इधर–उधर मत बैठो।

4. सड़क के बाएं चलो। 5. वह आगे दौड़ गया।

3. परिमाणवाचक क्रिया विशेषण–

उदाहरण – 1. मुझे कम खाना चाहिए।

2. वह अधिक बोलता है। 3. रमेश खूब पढ़ता है।

4. मरीज बहुत घबरा रहा है। 5. उतना बोलो जितना जरूरी हो।

4. रीतिवाचक क्रिया विशेषण

उदाहरण – 1. साइकिल धीरे–धीरे चलती है।

2. घोड़ा तेज दौड़ता है।

3. अचानक मेरे सामने शेर आ गया।

4. वह शीघ्रता से घर चला गया।

5. मोहन ध्यानपूर्वक पढ़ता है।

3. प्रमुख समच्चयबोधकों के उदाहरण –

1. संयोजक – (i) राम, लक्ष्मण और सीता वन को गए।

(ii) सेब तथा आम फल है। (iii) राम और श्याम मित्र हैं।

2. विकल्प सूचक – (i) विज्ञान अथवा गणित में से एक विषय पढ़ो।

(ii) तुम काम कर सकते हो या पढ़ाई।

(iii) तुम मेहनत करो अन्यथा असफल हो जाओगे।

3. विरोधसूचक– (i) दीपक पढ़ने में तो अच्छा है लेकिन बहुत शरारती है।

(ii) अपराधी को सजा ही नहीं बल्कि जुर्माना भी देना चाहिए।

(iii) मैंने उसे रोका था पर वह नहीं रुका।

4. परिमाणसूचक - (i) उसने चोरी की थी इसलिए उसे सजा मिली।

(ii) मैं बीमार हूँ अतः उसकी शादी पर नहीं जा सका।

(iii) तुम पढ़े नहीं इसलिए फेल हो गए।

5. कारण बोधक - (i) सोहन जेल में है क्योंकि उसने चोरी की थी।

(ii) उन पर कोई भी भरोसा नहीं करता क्योंकि वह झूठ बोलता है।

(iii) वह मुझे अच्छा लगता है क्योंकि वह समझदार है।

6. संकेतसूचक - (i) कुछ बनना है तो स्कूल जाओ।

(ii) जीवन में कुछ बनता है तो मन से पढ़ाई करो।

(iii) यद्यपि वह छोटा है तथापि बहादुर है।

7. उद्देश्यबोधक -

(i) वह पढ़ता है ताकि अच्छी नौकरी मिल सके।

(ii) वह मेरे पास आया था ताकि मदद माँग सकें।

(iii) श्रेष्ठ कार्य करो जिससे माँ-बाप गर्व कर सके।

8. स्वरूपवाचक - (i) वह ऐसे डर रहा है जैसे उसने ही रुपये चुराये हों।

(ii) तुम्हारी कमीज इतनी काली हो गई है मानों कि कोयला हो।

(iii) मेरी माँ इतनी सुंदर है मानो अप्सरा हो।

4. जो अव्यय शब्द संज्ञा या सर्वनाम के बाद प्रयुक्त होकर वाक्य में दूसरे शब्दों से उसका संबंध बताते हैं, उन्हें संबंधबोधक कहते हैं।

संबंधबोधक के नाम तथा उदाहरण -

1. कालबोधक - (i) बस समय से पहले आ गई।

(ii) मैं खाना खाने के लगभग एक घंटे बाद नहाऊँगा।

2. स्थानबोधक - (i) स्कूल के पास ही मंदिर है।

(ii) तालाब के किनारे बगीचा है।

3. दिशाबोधक - (i) आगे की ओर मत देखना।

(ii) घर के आस-पास ही खेलना।

4. साधनबोधक - (i) उसके जरिए यहाँ नल लगाया जाएगा।

(ii) आपके आने की सूचना पत्र द्वारा मिली।

5. विषयबोधक– (i) श्रीकृष्ण के बारे में बहुत कुछ पढ़ाया गया है।

(ii) मैं उसके बारे में बात करने आया हूँ।

6. सादृशबोधक– (i) अपने पिताजी की तरह सत्यवादी बनो।

(ii) सीता की भाँति जीवन जियो।

7. तुलनावाचक – चाँदी की अपेक्षा सोना महँगा है।

8. विरोधबोधक – (i) उसके विरूद्ध मत बोलो।

(ii) भारत ने पाकिस्तान के विरूद्ध क्रिकेट खेला।

घ. इन शब्दों के अर्थ लिखिए–

1. सम्मान का द्योतक जिससे आदर का भाव प्रकट हो
2. कल्याण या मंगल की कामना सूचक शब्द
3. आश्चर्य, अचंभा आदि संबंधी
4. भय को सूचित करने वाला
5. किसी की विवशता (मजबूरी) बताने वाला
6. जो किसी वस्तु के नाप–तौल या मात्रा का बोध कराएं।

ङ. इन वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए–

1. जैसा करोगे वैसा भरोगे।
2. हमें कदापि झूठ नहीं बोलना चाहिए।
3. जल्दी–जल्दी चलो वरना रेलगाड़ी छूट जाएगी।
4. महात्मा गाँधी हिंसा के खिलाफ थे।
5. हाय! कितनी गर्मी है।
6. मेरे सिवा इस कार्य को कोई और कर ही नहीं सकता।

पाठ–13 : संधि

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

1. पास–पास के वर्णों का मेल हो   2. जलोर्मि

3. राम + अनुज   4. हिमालय   5. वधू + ऊर्जा

6. तीन

7. दो स्वरों के पारस्परिक मेल से उत्पन्न होने वाला विकार

8. महा + इंद्र 9. यद्यपि 10. रवीन्द्र

ख. इन्हें सुमेलित कीजिए –

पो + अक	पावक
ने + अन	नयन
सु + आगत	स्वागत
इति + आदि	इत्यादि
मत + ऐक्य	मतैक्य

ग. नीचे दिए गए शब्दों को रिक्त स्थानों में सही–सही भरिए –

1. दुर्बल 2. तत् + लीन 3. परमार्थ

4. तपोबल 5. सदैव

घ. सत्य/असत्य लिखिए–

1. सत्य 2. सत्य 3. सत्य

4.सत्य 5. असत्य 6. सत्य

संकलित निर्धारण

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक–एक पंक्ति में लिखिए।–

1. 'इ + ए' मिलकर 'ये' बनता है।
2. संधि दो वर्णों का मेल है।
3. अनु + छेद – अनुच्छेद, दिक् + अंबर – दिगंबर।
4. मुनि + ईश – मुनीश, ज्ञान + उपदेश – ज्ञानोपदेश।
5. मनः + भाव।
6. 'निः + सदेह' विसर्ग संधि का उदाहरण है।

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छः पंक्तियों में लिखिए–

1. दो वर्णों के मेल से उत्पन्न विकार को व्याकरण में संधि कहते हैं अथवा दो निर्दिष्ट अक्षरों के पास–पास आने के कारण उनके संयोग से जो विकार उत्पन्न होता है उसे संधि कहते हैं। जैसे–देव + आलय – देवालय। यह तीन प्रकार की होती है।

2. दो स्वरों के पास–पास आने से जो संधि होती है, उसे स्वर संधि कहते हैं।

उदाहरण – परम + अर्थ –परमार्थ। कल्प + अंत – कल्पांत।

3. विसर्ग के साथ स्वर अथवा व्यंजन के मिलाने से जो विकार उत्पन्न होता है, उसे विसर्ग संधि कहते हैं।

उदाहरण – नमः + ते – नमस्ते, दुः + कर्म–दुष्कर्म।

4. व्यंजन संधि– जिन दो वर्णों में संधि होती है, उनमें से यदि पहला वर्ण व्यंजन हो और दूसरा वर्ण व्यंजन अथवा स्वर हो तो जो विकार होगा, उसे व्यंजन संधि कहते हैं।

उदाहरण – तत् + लीन – तल्लीन; उत् + लेख – उल्लेख।

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ से दस पंक्तियों में लिखिए –

1. **संधि** – दो वर्णों के मेल से उत्पन्न विकार को व्याकरण में संधि कहते हैं अथवा दो निर्दिष्ट अक्षरों के पास–पास आने के कारण उनके संयोग से जो विकार उत्पन्न होता है उसे संधि कहते हैं। जैसे–देव + आलय – देवालय। यह तीन प्रकार की होती है।

स्वर संधि–	कल्प + अंत – कल्पांत	राम + अयन – रामायन
	भोजन + आलय – भोजनालय	
व्यंजन संधि–	तत् + लीन – तल्लीन	सत् + चरित्र – सच्चरित्र
	दिक् + गज – दिग्गज	
विसर्ग संधि–	निः + संदेह – निस्संदेह	निः + आहार – निराहार
	निः + चल – निश्चल	

2. स्वर संधि – दो स्वरों के पास–पास आने से जो संधि होती है, उसे स्वर संधि कहते हैं।

उदाहरण – परम + अर्थ –परमार्थ, कल्प + अंत – कल्पांत।

व्यंजन संधि– जिन दो वर्णों में संधि होती है, उनमें से यदि पहला वर्ण व्यंजन हो और दूसरा वर्ण व्यंजन अथवा स्वर हो तो जो विकार होगा, उसे व्यंजन संधि कहते हैं।

उदाहरण – तत् + लीन – तल्लीन, उत् + लेख – उल्लेख।

3. स्वर संधि – दो स्वरों के पास–पास आने से जो संधि होती है, उसे स्वर संधि कहते हैं।

उदाहरण – परम + अर्थ –परमार्थ, कल्प + अंत – कल्पांत,

प्रति + एक – प्रत्येक, इति + आदि – इत्यादि।

व्यंजन संधि– जिन दो वर्णों में संधि होती है, उनमें से यदि पहला वर्ण व्यंजन हो और दूसरा वर्ण व्यंजन अथवा स्वर हो तो जो विकार होगा, उसे व्यंजन संधि कहते हैं।

उदाहरण – तत् + लीन – तल्लीन, उत् + लेख – उल्लेख,

सत् + चरित्र – सच्चरित्र, सत् + जन – सज्जन।

विसर्ग संधि – विसर्ग के साथ स्वर अथवा व्यंजन के मिलाने से जो विकार उत्पन्न होता है, उसे विसर्ग संधि कहते हैं।

उदाहरण – नमः + ते – नमस्ते, दुः + कर्म–दुष्कर्म,

निः + आहार – निराहार, निः + चल – निश्चल।

4. विसर्ग के साथ स्वर अथवा व्यंजन के मिलाने से जो विकार उत्पन्न होता है, उसे विसर्ग संधि कहते हैं।

उदाहरण – नमः + ते – नमस्ते, दुः + कर्म–दुष्कर्म।

घ. इन शब्दों के अर्थ लिखिए–

1. वह जल जिसमें किसी देवी–देवतादि के पाँव पखारे गए हों।
2. असहाय और विस्थापित व्यक्ति
3. भला आदमी
4. कम
5.
6. देवी दुर्गा

ङ. इन्हें शुद्ध करके पुनः लिखिए –

1. सखी + उचित – सख्युचित
2. सु + आगतः – स्वागत
3. मातृ + आनंद – मात्रानंद
4. यदि + अपि – यद्यपि
5. गिरि + ईश – गिरीश

पाठ–14 : उपसर्ग और प्रत्यय

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

1. शोभित | 2. एँ
3. वे शब्दांश जो शब्द से पहले लगकर अर्थ परिवर्तित करते हैं
4. सह | 5. प्रबल | 6. दो
7. परि | 8. संस्कृत भाषा का | 9. अज्ञान
10. संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण के अन्त में लगने वाले शब्दांश

ख. इन्हें सुमेलित कीजिए–

गढ़ाई, पिलाई, घटिया	भाववाचक कृदंत प्रत्यय
सुहावना, लुभावना, हँसना	गुणवाचक तद्धित प्रत्यय
मिटाना, चलाना, पढ़ाना	कर्मवाचक कृदंत प्रत्यय
प्यासा, गँवार	कर्तृवाचक कृदंत प्रत्यय
बछड़ा, मुखड़ा	ऊनतावाचक कृदंत प्रत्यय

ग. नीचे दिए गए शब्दों को रिक्त स्थानों में सही–सही भरिए –

1. आई | 2. इक | 3. आ,
4. आर, | 5. कार

घ. सत्य/असत्य लिखिए–

1. सत्य | 2. सत्य | 3. असत्य
4. सत्य | 5. सत्य | 6. सत्य

संकलित निर्धारण

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक पंक्ति में लिखिए।–

1. वह अव्यय, जो किसी शब्द के आरम्भ में जुड़ता है, उपसर्ग कहलाता है।
2. 'भरपेट' शब्द में 'भर' उपसर्ग जुड़ा है।
3. 'अधमरा' में 'अध' उपसर्ग है।
4. 'खौफनाथ' में 'नाक' प्रत्यय जुड़ा है।
5. प्रत्यय दो प्रकार के होते हैं–
   1. कृदंत प्रत्यय – आवट – सजावट, लिखावट
   2. तद्धित प्रत्यय – आर – लुहार, सुनार

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छः पंक्तियों में लिखिए–

1. उपसर्ग वह शब्दांश या अव्यय होता है जो किसी शब्द के आरंभ में जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन कर दे।

   उदाहरण – वि + हार – विहार अन + मोल – अनमोल

2. वे शब्दांश जो किसी शब्द या धातु के अंत में जुड़कर उसके अर्थ को प्रभावित कर देते हैं, उन्हें प्रत्यय कहते हैं।

3. प्रत्यय दो प्रकार के होते हैं–

   1. कृदंत प्रत्यय – आवट – सजावट, लिखावट

   2. तद्धित प्रत्यय – आर – लुहार, सुनार

4. कृदंत प्रत्यय–कृत् प्रत्यय क्रिया या धातु के अंत में प्रयुक्त होते हैं, उनके योग से बने शब्द कृदंत प्रत्यय कहलाते हैं। इन्हें धातुज नाम अथवा क्रियान्वाचक शब्द भी कहते हैं।

   उदाहरण–बनावट, गवैया, त्यागी, बचत आदि।

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ से दस पंक्तियों में लिखिए –

1. उपसर्ग वह शब्दांश या अव्यय होता है जो किसी शब्द के आरंभ में जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन कर दे।

   हिंदी के पाँच उपसर्ग और उनका वाक्य प्रयोग –

   1. नाना– मेरे पिताजी के पास नाना प्रकार के औजार हैं।

   2. अति – किसी भी चीज की अति भयानक साबित होती है।

   3. सह – पिताजी अपने सहकर्मी के घर दीपावली की मिठाई देने गए।

   4. प्रति – हमें प्रतिदिन सैर के लिए जाना चाहिए।

   5. ला – लापरवाह व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी कभी नहीं समझता।

2. प्रत्यय – उपसर्ग वह शब्दांश या अव्यय होता है जो किसी शब्द के आरंभ में जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन कर दे।

   उदाहरण – वि + हार – विहार अन + मोल – अनमोल

   तद्धित प्रत्यय के निम्नलिखित आठ प्रकार हैं –

   1. कर्तृवाचक तद्धित प्रत्यय – चित्र + कार – चित्रकार

   2. भाववाचक तद्धित प्रत्यय – बुलाव + आ – बुलावा

3. संबंधवाचक तद्धित प्रत्यय – चाचा + ऐरा – चचेरा

4. गणनावाचक तद्धित प्रत्यय – सात + वाँ – सातवाँ

5. गुणवाचक तद्धित प्रत्यय – गुण + वान – गुणवान

6. स्थानवाचक तद्धित प्रत्यय– जर्मन + ई – जर्मनी

7. ऊनवाचक तद्धित प्रत्यय – ढोल + क – ढोलक

8. सादृश्यवाचक तद्धित प्रत्यय – सुन + हरा – सुनहरा

3. कृदंत प्रत्यय के निम्नलिखित पाँच भेद हैं –

1. कर्तृवाचक कृदंत प्रत्यय – ऐया – गवैया, खिवैया

2. कर्मवाचक कृदंत प्रत्यय – औना – बिछौना, खिलौना

3. करणवाचक कृदंत प्रत्यय – नी – लेखनी, ओढ़नी

4. भाववाचक कृदंत प्रत्यय – आई – पढ़ाई, बुनाई

5. विशेषणवाचक कृदंत प्रत्यय – मान – यजमान, वर्तमान।

4. कृदंत प्रत्यय–कृत् प्रत्यय क्रिया या धातु के अंत में प्रयुक्त होते हैं, उनके योग से बने शब्द कृदंत प्रत्यय कहलाते हैं। इन्हें धातुज नाम अथवा क्रियान्वाचक शब्द भी कहते हैं।

उदाहरण–बनावट, गवैया, तैएक, त्यागी, बचत आदि।

तद्धित प्रत्यय – जो प्रत्यय संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण या अव्यय के अंत में जुड़ते हैं, उन्हें तद्धित प्रत्यय कहते हैं। जैसे – पंडित + आई – पंडिताई, लोहा + आर – लोहार आदि।

घ. इन शब्दों के अर्थ लिखिए–

1. किसी वस्तु या प्राणी की लघुता का भाव प्रकट करने वाला।

2. कर्ता कारक से बना हुआ 3. क्रिया से भिन्न शब्दों में जुड़नेवाला प्रत्यय

4. वह शब्द जो धातु में कृत प्रत्यय लगने से बने

5. अनुकरण करने योग्य 6. जहरीला

ङ. इन्हें शुद्ध करके पुनः लिखिए –

1. राधेश बहुत अच्छा गवैया है।

2. भारतीय सेना में राजपूताना बटालियन भी है।

3. कृतिका के चेहरे से भोलापन झलकता है।

4. दिखवटी सामान अधिक टिकाऊ नहीं रहता।

पाठ-15 : विराम चिह्न

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-

1. लाघव
2. पन्द्रह
3. विश्राम अथवा रूकना
4. उद्धरण
5. शब्द युग्मों के मध्य
6. अल्प विराम पर
7. तुल्यतासूचक चिह्न
8. लाघव विराम
9. विस्मय विराम
10. =

ख. इन्हें सुमेलित कीजिए-

क	ख
पूर्ण विराम	।
अपूर्ण विराम	:
विस्मय विराम	!
निर्देशक चिह्न	–
कोष्ठक	( )/{}/[]
लाघव विराम	०

ग. निम्नलिखित वाक्यों में सही-सही विराम चिह्न लगाइए-

1. अरे ! जरा रूको।
2. अब आप कब जाओगे ?
3. ओह ! तुमने यह क्या किया ?
4. सुख-दु:ख का तो जोड़ा है।
5. तुम इतनी साड़ियों का क्या करोगी?
6. टॉमी यहीं कहीं होगा।
7. दूसरों का भला करने वाले महापुरुष कहलाते हैं।

घ. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उपयुक्त स्थानों पर उचित विराम चिह्न लगाइए-

महात्मा गांधी हमारे देश के राष्ट्रपिता थे। उन्हें बापूजी भी कहते हैं। वे अहिंसा के पुजारी थे। सदा सत्य बोलते थे। वे अपने वस्त्र स्वयं सिलते थे। उन्होंने आज़ादी की लड़ाई में अहिंसात्मक आंदोलन के रूप में अपना बहुमूल्य योगदान दिया। वे इस धुन को गाया करते थे।

"रघुपति राघव राजा राम, पतित पावन सीता राम।"

संकलित निर्धारण

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक पंक्ति में लिखिए।-

1. विराम चिह्न पंद्रह प्रकार के होते हैं।
2. 'निर्देशक चिह्न' का एक उदाहरण- उसकी आँखे झील-सी गहरी हैं।
3. जब हम किसी व्यक्ति द्वारा कही गई बात को, लिखित रूप में बिल्कुल वैसा ही प्रस्तुत करते हैं तो अवतरण विराम का प्रयोग वहाँ करते हैं।
4. पूर्ण विराम चिह्न (।) और अद्र्ध विराम चिह्न (;)।
5. 1. भानु = सूर्य,　　　　2. 1 रूपया = 100 पैसे

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छः पंक्तियों में लिखिए-

1. भाषा के लिखित रूप में विराम या रुकने के लिए जिन संकेत चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें विराम चिह्न कहते हैं।

   उदाहरण-　　(i) तुम क्या कर रहे हो ?

   　　　　(ii) उसे जगाओ मत, सोने दो।

2. भाषा में लेखन की शुद्धता के लिए विराम-चिह्नों की बहुत आवश्यकता है। इनसे वक्ता या लेखक को अपने भावों या विचारों को स्पष्ट करने में आसानी होती है। इनके प्रयोग से अर्थ का अनर्थ नहीं होने पाता। यदि वाक्य में विराम चिह्न का सही से प्रयोग न किया जाए तो वाक्य अर्थहीन और अस्पष्ट हो जाता है। अतः भाषा को सुबोध और सरल बनाने के लिए विराम चिह्नों की आवश्यकता होती है।

3. विराम चिह्नों के उदाहरण -

   1. पूर्ण विराम चिह्न (।) - (i) तुम जा रहे हो।

   (ii) मैं ठीक हूँ।　　(iii) खाना बन गया है।

   2. अल्प विराम चिह्न (,) - (i) रमेश, महेश और सुरेश घूमने गए।

   (ii) अजय, अमित और अनिल उनके तीन पुत्र हैं।

   (iii) मैं, मेरी बहन और पिताजी दिल्ली गए।

   3. अद्र्ध विराम चिह्न (;)- (i) वह माफी माँगता रहा, लोग उसे मारते रहे।

   (ii) जो उस पर विश्वास नहीं करते; वह उन्हें भी प्यार करता है।

   (iii) जब मेरे पास समय होगा; तब मैं आपसे मिलने आऊँगा।

4. प्रश्नवाचक चिह्न (?) - (i) तुम कब आओगे?

(ii) क्या वह कहीं जा रहा है?

(iii) तुम्हारा क्या नाम है?

5. विस्मयादिबोधक चिह्न (!) - (i) अरे! वह पास हो गया।

(ii) वाह ! तुम धन्य हो। (iii) शाबाश! तुम जीत गए।

6. उद्धरण चिह्न (‘‘ ’’) - (i) ‘‘रामचरित मानस’’ एक धार्मिक ग्रंथ है।

(ii) गांधी जी ने कहा, ‘‘सत्य ही ईश्वर है।’’

(iii) ‘‘साहित्य राजनीति के आगे चलने वाली मशाल हैं।’’ प्रेमचंद

7. योजक चिह्न (-) - (i) राम और रहीम मे घर आस-पास है।

(ii) सुख-दुख तो जीवन के आते रहते हैं।

(iii) वह दिन-रात मेहनत करके पढ़ा है।

8. निर्देशक चिह्न (—) - (i) ऐसा लग रहा है—मैं बूढ़ा हो गया हूँ।

(ii) टी.टी. —तुम्हारा टिकट कहाँ है ?

(iii) छात्र—वह कही गिर गया है।

9. अपूर्ण विराम चिह्न (:)-(i) तुलसीदास : एक अध्ययन

(ii) विज्ञान : वरदान या अभिशाप

(iii) जल प्रदूषण : समस्या व समाधान

10. विवरण चिह्न (: -) - (i) वचन के दो भेद होते हैं:-एकवचन, बहुवचन।

(ii) निम्नलिखित में से किसी एक का उत्तर लिखिए-

(iii) संज्ञा के मुख्य तीन भेद होते हैं - व्यक्तिवाचक संज्ञा, जातिवाचक संज्ञा तथा भाववाचक संज्ञा।

11. संक्षेप सूचक का लाघव चिह्न (०) -(i) डॉ० (डॉक्टर)

(ii) प्रो० (प्रोफेसर) (iii) दि०वि० (दिल्ली विश्वविद्यालय)

12. समानता सूचक चिह्न (=) (i) तपः + वन =तपोवन

(ii) सूर्य = सूरज (iii) कृतघ्न = उपकार न मानने वाला

13. त्रुटिपूरक चिह्न ( ) - (i) मेरे पास बहुत-से खिलौने हैं।

(ii) तुम कितने बजे तक आओगे ?

(iii) उसके घर का पता भेज दीजिए।

4. विराम चिह्नों को हम लगाते हैं क्योंकि इनके प्रयोग से भाषा सुगठित प्रतीत होती है तथा इनके प्रयोग से वाक्य का अर्थ समझने में सरलता आ जाती है।

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ-दस पंक्तियों में लिखिए -

1. भाषा में लेखन की शुद्धता के लिए विराम-चिह्नों की बहुत आवश्यकता है। इनसे वक्ता या लेखक को अपने भावों या विचारों को स्पष्ट करने में आसानी होती है। इनके प्रयोग से अर्थ का अनर्थ नहीं होने पाता। यदि वाक्य में विराम चिह्न का सही से प्रयोग न किया जाए तो वाक्य अर्थहीन और अस्पष्ट हो जाता है। अतः भाषा को सुबोध और सरल बनाने के लिए विराम चिह्नों की आवश्यकता होती है।

   पूर्ण विराम - प्रत्येक पूर्ण वाक्य के अंत में इस विराम का प्रयोग होता है, किन्तु प्रश्नात्मक अथवा विस्मयात्मक होने से पूर्ण विराम के स्थान पर क्रमशः प्रश्न-विराम अथवा विस्मय विराम का प्रयोग किया जाता है। उदाहरण- हिंदी, हमारे देश की राष्ट्र-भाषा है।

   प्रश्न विराम - इसका प्रयोग प्रश्नबोधक वाक्य के अंत में किया जाता है। एक ही वाक्य में एक से अधिक प्रश्न होने पर 'प्रश्न-विराम' या तो अंतिम प्रश्न के आगे लगाते हैं या प्रत्येक प्रश्न के आगे। उदाहरण - कहाँ घूमने जा रहे हो?

2. विराम चिह्नों के उदाहरण -

   1. पूर्ण विराम चिह्न (।) - (i) तुम जा रहे हो।

      (ii) मैं ठीक हूँ। (iii) खाना बन गया है।

   2. अल्प विराम चिह्न (,) - (i) रमेश, महेश और सुरेश घूमने गए।

      (ii) अजय, अमित और अनिल उनके तीन पुत्र हैं।

      (iii) मैं, मेरी बहन और पिताजी दिल्ली गए।

   3. अद्र्ध विराम चिह्न (;)- (i) वह माफी माँगता रहा, लोग उसे मारते रहे।

      (ii) जो उस पर विश्वास नहीं करते; वह उन्हें भी प्यार करता है।

      (iii) जब मेरे पास समय होगा; तब मैं आपसे मिलने आऊँगा।

   4. प्रश्नवाचक चिह्न (?) - (i) तुम कब आओगे?

      (ii) क्या वह कहीं जा रहा है?

(iii) तुम्हारा क्या नाम है?

5. विस्मयादिबोधक चिह्न (!) - (i) अरे! वह पास हो गया।

(ii) वाह ! तुम धन्य हो। (iii) शाबाश! तुम जीत गए।

6. उद्धरण चिह्न (‘‘ ’’) - (i) ‘‘रामचरित मानस’’ एक धार्मिक ग्रंथ है।

(ii) गांधी जी ने कहा, ‘‘सत्य ही ईश्वर है।’’

(iii) ‘‘साहित्य राजनीति के आगे चलने वाली मशाल हैं।’’ प्रेमचंद

7. योजक चिह्न (-) - (i) राम और रहीम मे घर आस-पास है।

(ii) सुख-दुख तो जीवन के आते रहते हैं।

(iii) वह दिन-रात मेहनत करके पढ़ा है।

8. निर्देशक चिह्न (—) - (i) ऐसा लग रहा है—मैं बूढ़ा हो गया हूँ।

(ii) टी.टी. —तुम्हारा टिकट कहाँ है ?

छात्र—वह कही गिर गया है।

(iii) निम्नांकित वाक्यों को पढ़िए—

9. अपूर्ण विराम चिह्न (:)-(i) तुलसीदास : एक अध्ययन

(ii) विज्ञान : वरदान या अभिशाप

(iii) जल प्रदूषण : समस्या व समाधान

10. विवरण चिह्न (: -) - (i) वचन के दो भेद होते हैं:-एकवचन, बहुवचन।

(ii) निम्नलिखित में से किसी एक का उत्तर लिखिए-

(iii) संज्ञा के मुख्य तीन भेद होते हैं - व्यक्तिवाचक संज्ञा, जातिवाचक संज्ञा तथा भाववाचक संज्ञा।

11. संक्षेप सूचक का लाघव चिह्न (०) -(i) डॉ० (डॉक्टर)

(ii) प्रो० (प्रोफेसर) (iii) दि०वि० (दिल्ली विश्वविद्यालय)

12. समानता सूचक चिह्न (=) (i) तपः + वन =तपोवन

(i) सूर्य (i) ए सूरज = सूरज (i) कृतघ्न = उपकार न मानने वाला

13. त्रुटिपूरक चिह्न ( ) - (i) मेरे पास बहुत-से खिलौने हैं।

(ii) तुम कितने बजे तक आओगे ?

(iii) उसके घर का पता भेज दीजिए।

3. विराम चिह्नों के उदाहरण –

1. पूर्ण विराम चिह्न (।)

2. अल्प विराम चिह्न (,)

3. अद्‌र्ध विराम चिह्न (;)

4. प्रश्नवाचक चिह्न (?)

5. विस्मयादिबोधक चिह्न (!)

6. उद्‌धरण चिह्न (“ ”)

7. योजक चिह्न (-)

8. निर्देशक चिह्न (—)

9. अपूर्ण विराम चिह्न (:)

10. विवरण चिह्न (: -)

11. संक्षेप सूचक का लाघव चिह्न (०)

12. समानता सूचक चिह्न (=)

13. त्रुटिपूरक चिह्न ( )

घ. इनके अर्थ लिखिए –

1. लघु होने का भाव 2. मिलानेवाला 3. जो पूरा न हो

4. कमी

5. समानता या बराबरी आदि को दर्शाने के लिए तुल्यता सूचक चिह्न (=)

6. रुकना

ङ. इन वाक्यों में विराम चिह्न लगाकर शुद्‌ध करके पुनः लिखिए–

1. अरे वाह ! क्या मौसम है ?
2. जी हाँ, मैं ही उसे लेकर आया था।
3. राम ने कहा, “धन संचय करना चाहिए।”
4. गाय, भैंस, ऊँट ये सभी पशु हैं।

पाठ–16 : शुद्ध और अशुद्ध

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

1. पुण्य   2. झूठ   3. अध्ययन
4. ऐतिहासिक   5. क्षुब्ध   6. भिक्षु
7. रचयिता   8. संसार   9. कलश
10. शृंखला

ख. निम्नलिखित शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए –

1. बढ़ई   2. क्योंकि   3. लड़की
4. चाहिए   5. त्योहार   6. तृतीय
7. सैनिक   8. बीमारी   9. पत्नी
10. हानि

ग. नीचे जो शब्द शुद्ध हैं, उनके नीचे रेखा खींचिए–

रूठ   उत्थान   पूर्ति
दीवार   तिथि   अभिनेता
अतिथि   हाथी
आपका   कुंवर

घ. जो वाक्य शुद्ध हैं, उनके सामने सही का चिह्न (✓) तथा जो वाक्य अशुद्ध हैं उनके सामने गलत का चिह्न (✗) लगाइए –

1. आगरा में अनेक दर्शनीय स्थल है।   (✗)
2. मैं कल दिल्ली जाऊँगा।   (✓)
3. मोहन गाना गा रहा है।   (✓)
4. हम अभी–अभी दिल्ली से आया हूँ।   (✗)
5. कौयल कुहु–कुहु कर रही है।   (✗)
6. हरि की बहन का नाम मीरा है।   (✓)

संकलित निर्धारण

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक–एक पंक्ति में लिखिए।–

1. 'महगाँ' शुद्ध रूप, अर्थ – कीमती
2. कवयित्री

3. पानी का एक गिलास दीजिए।

4. 'गृह'

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छः पंक्तियों में लिखिए-

1. शुद्ध उच्चारण के लिए हमें निम्न बातों को ध्यान में रखना चाहिए -

   1. वाक्य सार्थक शब्दों के मेल से बना हुआ हो।

   2. वाक्य में कर्ता, कर्म और क्रिया सुव्यवस्थित रूप में हो।

   3. वाक्य में लिंग, वचन, कारक, काल तथा विराम-चिह्नों संबंधी कोई गलती नहीं होनी चाहिए।

2. सही तरह से लिखा गया शब्द तथा वाक्य शुद्ध कहलाता है जबकि वर्तनी में गलतियाँ हों तो वह अशुद्ध कहलाता है।

3. यदि शब्द में किसी तरह की अशुद्धि होती है तो वह उसके अर्थ को भी बदल सकता है। उदाहरण- 1. मैंने अपना ग्रहकार्य कर लिया है। (अशुद्ध शब्द ग्रहकार्य, यहाँ 'ग्रह' का अर्थ है-नक्षत्र आदि।)

   मैंने अपना गृहकार्य कर लिया है। (यहाँ 'गृह' का अर्थ है - घर।)

4. सूर्य, प्राण, मृत्यु, ट्रेन मुद्रा, गृह।

ग. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए (यदि कोई वाक्य शुद्ध है तो उसे ज्यों का त्यों लिखिए-

1. ब्रह्मा ने उसे दिव्य-दृष्टि प्रदान की।
2. दिल्ली में डेंगू का जोर है।
3. रोगी को फल काटकर खिलाओ।
4. गाय के दूध का घी अति उत्तम है।
5. मात्र सौ रूपये चाहिए।
6. हम वहाँ नहीं जा सकते।
7. घड़े का ठंडा पानी पिलाइए।
8. नदियों में बाढ़ आ रही है।
9. नीचे मत देखो।
10. सूर्य पश्चिम में डूबता है।
11. हरीश ने पूजा कर ली है।

12. रेलगाड़ी छूट चुकी है।

13. देवेंद्र बाजार जाएगा।

14. सुशील कुमार एक सर्वोत्कृष्ट पहलवान खिलाड़ी है।

15. कृतिका विदेश यात्रा के लिए रवाना हो चुकी है।

पाठ-17 : समोच्चरित-भिन्नार्थक शब्द

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-

1. समोच्चरित भिन्नार्थक शब्द   2. समध्वन्यात्मक शब्द,

3. काला   4. अणु   5. निरादर

6. जहर   7. विपिन   8. पवित्र

9. सत्य, यक्ष   10. हाथी

ख. इन्हें सुमेलित कीजिए-

क	**ख**
हलका	क्षेत्र
खल	दुष्ट
ग्रंथ	पुस्तक
ग्रंथि	गाँठ
अक्ष	धुरी
अमूल	बिना जड़ का
असन	भोजन

ग. कोष्ठकों से उचित शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए-

1. श्याम राहुल की अपेक्षा अधिक होशियार है।
   तुमने उसकी उपेक्षा करके अच्छा नहीं किया।
2. सुशीला एक सच्ची अंगना है।
   मेरे अँगना में एक नीम का पेड़ है।
3. रमेश की परीक्षा का परिणाम कल आएगा।
   इस वस्तु का परिमाण लगभग 20 किलोग्राम है।

4. मोहित, कौवे के समान काला है।
   अपने सामान की स्वयं रक्षा करें।
5. यह भुवन ईश्वर ने बनाया है।
   यह भवन कितना सुंदर है!

घ. सत्य/असत्य लिखिए-

1. असत्य	2. असत्य	3. सत्य
4. असत्य	5. असत्य	

संकलित निर्धारण

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक पंक्ति में लिखिए।-

1. समोच्चरित शब्दों की पहचान यह होती है कि इनका उच्चारण लगभग समान होता है; किंतु अर्थ भिन्न-भिन्न होते हैं।
2. समोच्चरित शब्दों के अर्थ भिन्न-भिन्न प्रकार के होते हैं।
3. समोच्चरित शब्दों के उच्चारण एक समान होते हैं।

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छः पंक्तियों में लिखिए-

1. समोच्चरित शब्दों को भिन्नार्थक शब्द इसलिए कहते हैं क्योंकि इनके अर्थ भिन्न-भिन्न होते हैं।
2.

अपेक्षा	-इच्छा, आशा	उपेक्षा	- निरादर
अंत	- समाप्त	अंत्य	- नीच
उपकार	- भलाई	अपकार	- बुराई
अन्न	- अनाज	अन्य	- दूसरा
इत्र	- सुगंध	इतर	- दूसरा
तरंग	- लहर	तुरंग	- घोड़ा
धरा	- पृथ्वी	धारा	- बहाव
गृह	- घर	ग्रह	- नक्षत्र
विष	- जहर	विस	- कमल-नाल
रंग	- वर्ण	रंक	- गरीब

3. ऐसे शब्द, जिनकी वर्तनी में अत्यंत सूक्ष्म अंतर होने के कारण उनमें समानता का आभास होता है परंतु अर्थ की दृष्टि से उनमें कोई समानता नहीं होती है, समोच्चरित-भिन्नार्थक शब्द कहलाते हैं।

4. 1. अवधि (काल, समय)–मैंने यह कार्य मात्र एक दिन की अवधि में पूर्ण कर लिया।

अवधी– (एक भाषा)मेरे मित्र अवधी भाषा में बात करते हैं।

2. में (अंदर) – कमरे में सामान फैला पड़ा है।

मैं (स्वयं) – मैं बाजार जा रही हूँ।

3. मेल (मिलान)–अच्छाई और बुराई का कभी मेल नहीं हो सकता।

मैल (गंदगी)– कपड़ों पर बहुत मैल लगी थी।

ग. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायों को अपने वाक्यों में प्रयोग करके लिखिए –

1. हरि– विष्णु हरी– हरे रंग की
2. हल्का – कम वजन हलका–क्षेत्र
3. ओर – तरफ और –तथा
4. अपेक्षा – इच्छा, आशा उपेक्षा – निरादर
5. इत्र – सुगंध इतर – दूसरा
6. फुट – अकेला फूट – कलह
7. गृह – घर ग्रह – नक्षत्र
8. केसर – कुमकुम केशर – अयाल
9. शाम – सांय साम – वेदमंत्र
10. करि – हाथी कीर – तोता

पाठ–18 : अनेकार्थी शब्द

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

1. किरण	2. झोंका	3. शुभकाल
4. तालाब	5. प्रेम	6. आवाज
7. बादल	8. छल	9. वर्ण
10. गिद्ध	11. चंदन	12. रोकना
13. उत्तीर्ण	14. फूटना	15. संग

ख. इन्हें सुमेलित कीजिए-

क	ख
पैदा	प्रकट
बल	शक्ति
फल	कर्मभोग
गति	मोक्ष
जीवन	प्राण
घट	शरीर

ग. निम्नलिखित वाक्यों में रंगीन शब्दों के स्थान पर उपयुक्त शब्द लिखिए-

1. ज़रा ताल में गाओ।
2. आप खैरियत से तो हैं।
3. मैं बहुत थक गया हूँ। मैं सोना चाहता हूँ।
4. श्रीनगर में पानी के अनेक झरने हैं।
5. हाथी की सूँड बहुत लंबी होती हैं।

संकलित निर्धारण

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1. कुछ शब्दों के अर्थ (एक से अधिक) वाले होते हैं, उन्हें अनेकार्थी शब्द कहते हैं। जैसे - 'पय' के तीन अर्थ - 'दूध', 'पानी' तथा 'अन्न' है।
2. कुछ शब्दों के अर्थ (एक से अधिक) वाले होते हैं, उन्हें अनेकार्थी शब्द कहते हैं।

उदाहरण -	स्नेह	- प्रेम, तेल, चिकना पदार्थ, कोमलता।
	अर्थ	- ऐश्वर्य, धन, प्रयोजन।
	अवधि	- सीमा, निर्धारित समय, काल
	अधर	- होंठ, आकाश अनाधार।
	अनंता	- पृथ्वी, पार्वती, दूब।

3. 1. चाल (चालाकी) - राधा को प्रथम पुरस्कार देना, किसी की चाल है।
   (चलना)- अपनी चाल को तेज करो।

2. पत्र (चिट्ठी) – मैंने अपने मित्र को पत्र लिखा।

(पत्ती) – पेड़ों से पत्र गिर रहे हैं।

3. फल (खाने वाला फल)–आम एक रसीला फल है।

(परिणाम) – गलत कार्य का गलत फल ही होता है।

4. पर (पंख) – तुमने कबूतर के पर क्यों काट दिए ?

(लेकिन) – तुम उसे नहीं जानते पर मैं उसे अच्छी तरह से जानता हूँ।

5. दल (टोली)– उस दल का नेता बहुत अच्छे स्वभाव का है।

(पंखुड़ी)–फूल का दल बहुत कोमल है।

ख. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन अनेकार्थक लिखिए-

1. शरीर, घड़ा, कम
2. कान, कर्ण (नाम)
3. आँख की पुतली, नक्षत्र, तारक, प्यारा
4. मेवा, परिणाम, लाभ
5. बेटा, एक रंग, बहुमूल्य पत्थर
6. संगीत विद्या, प्रेम, लाल रंग

ग. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए –

1. मुद्रा – भारत की मुद्रा रुपया है।
2. तीर – श्रीराम ने रावण पर तीर से वार किया।
3. बाल – मेरे बाल घुँघराले हैं।
4. वर्ण – भाषा की सबसे छोटी इकाई को वर्ण कहते हैं।
5. खग – खग आकाश में उड़ रहे हैं।
6. रस – गन्ने का रस मीठा होता है।
7. कल – कल मेरी परीक्षा का परिणाम आने वाला है।
8. फल – टोकरी में कई सारे फल हैं।

पाठ-19 : शब्दों के सूक्ष्म अर्थ-भेद

रचनात्मक निर्धारण

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-

1. उल्लास
2. ग्लानि
3. पत्नी
4. श्रम

5. बहुमूल्य   6. अहंकार
7. जाँच   8. शराब
9. होने वाला   10. गिरावट

ख. इन्हें सुमेलित कीजिए -

क	**ख**
विद्वान द्वारा किसी विषय को समझाकर सुनाना	व्याख्यान
किसी समूह के सम्मुख विचार प्रकट करना	भाषण
आगामी	आने वाला
भावी	होने वाला
रेखा	लकीर
लेखा	हिसाब

ग. निम्नलिखित वाक्यों में कोष्ठक में दिए गए सही शब्दों पर सही का चिह्न लगाइए-

1. पत्नी   2. निरर्थक   3. व्याधि
4. गर्व   5. पर्याप्त   6. निद्रा
7. आनंद

संकलित निर्धारण

क. इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

1. प्रत्येक भाषा के अंदर कुछ ऐसे शब्द पाए जाते हैं, जो दिखने में तो एक जैसे ही लगते हैं, लेकिन उनका अर्थ भिन्न-भिन्न निकलता है। ऐसे शब्दों को सूक्ष्म-अर्थ भेद वाले शब्द कहा जाता है।
2. 1. अंश - सौ का दसवाँ अंश दस होता है।
   हिस्सा - हिस्सा एक साझेदारी का नाम होता है।
   2. आधि - मानसिक पीड़ा की संज्ञा आधि है।
   व्याधि - शारीरिक पीड़ा को व्याधि कहते हैं।
   3. चतुर - होशियार (अच्छे अर्थ में)।
   चालाक - चतुर (निंदा के अर्थ में)।
   4. स्त्री - कोई भी नारी।
   पत्नी - किसी पुरुष की विवाहित नारी।
   5. अमूल्य - जिसकी कीमत न आँकी जा सके।
   बहुमूल्य - बहुत कीमती।

6. अहंकार – घमंड (यह दोष माना जाता है)।
   गर्व – स्वाभिमान होना (यह गुण है)।
7. कृपा – अपने से छोटों का दु:ख दूर करने की कोशिश।
   दया – दूसरों के कष्ट हरने की स्वाभाविक कोशिश।
8. निद्रा – सो जाना।
   तंद्रा – नींद की अद्‌र्ध-अवस्था, ऊँघना।
9. प्रणाम – अपने से बड़ों के प्रति की जाने वाली दंडवत् नमस्ते।
   नमस्कार – अपने बराबर वाले लोगों से की जाने वाली नमस्ते।
10. रेखा – लकीर।
   लेखा – हिसाब।

ख. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए-

1. कायदा, नियम
2. बर्ताव का तरीका
3. कार्य करने में समर्थ
4. काबिल, लायक
5. जिसकी कीमत न आँकी जा सके
6. बहुत कीमती
7. किसी अपराध या त्रुटि पर होने वाला पश्चाताप
8. तकलीफ
9. चलाने वाला हथियार
10. खतरनाक हथियार
11. स्वीकृति, इजाजत
12. आज्ञा, हुक्म
13. मनन करने वाला व्यक्ति
14. साधु
15. वास स्थान, घर
16. संसार
17. रस का एक प्रकार
18. गिरावट
19. विद्‌वान वक्ता द्‌वारा किसी विषय को समझाकर सुनाना।
20. किसी समूह के सम्मुख विचार प्रकट करना।
21. आने वाला
22. होने वाला
23. स्नेह
24. स्त्री-पुरुष का प्रेम
25. आदरपूर्ण आस्था
26. सेवा, अराधना
27. योग्यता, क्षमता आदि को परखना
28. जाँचने की क्रिया, परख

पाठ-20 : अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

रचनात्मक निर्धारण

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-

1. दर्शनीय 2. हितैषी 3. बेनाम

4. तपस्वी 5. आशावादी

6. जिसके हृदय में ममता न हो।

7. जिसे कोई भय न हो

8. जो कहा न जा सके

9. जहाँ रेत ही रेत हो

10. जिस व्यक्ति में सहने की भरपूर क्षमता हो

ख. इन्हें सुमेलित कीजिए -

सत्य बोलने वाला	सत्यवादी
जिस पर संदेह हो	संदिग्ध
एक ही जाति के लोग	सजातीय
जिसके पास धन न हो	निर्धन
जिसे गिना ना सके	अगणित

ग. निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए उपयुक्त शब्द चुनकर लिखिए-

1. नवजात 2. कटुभाषी 3. अहंकारी

4. अधीर 5. हस्तलिखित 6. हितैषी

7. जलचर 8. चरित्रवान 9. परोपकारी

10. नश्वर

घ. इनके लिए वाक्यांश लिखिए -

1. दूर की सोचने वाला 2. जिसके हृदय में दया न हो

3. जो गुप्त रखने योग्य हो 4. आँखों के सामने

5. पर्ण की बनी हुई कुटी 6. जो जाना नहीं जा सके

7. जिसके माता-पिता न हो 8. जो दिखाई न दे

संकलित निर्धारण

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक पंक्ति में लिखिए।-

1. वाक्यांश और एक शब्द में एक शब्द लघु होता है।

2. 'रघु के वंशज' को रघुवंशी कहते हैं।
3. अनेक शब्दों के समूह को वाक्यांश कहते हैं।
4. जो बोल न सके।
5. जिसे गोद लिया हो।
6. जिसके सिर पर बाल न हो उसे गंजा कहते हैं।

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छः पंक्तियों में लिखिए-

1. जब किसी वाक्य में प्रयुक्त या स्वतंत्र किसी वाक्यांश के लिए किसी एक शब्द का प्रयोग किया जाता है, जो उस वाक्यांश के अर्थ को पूरी तरह सिद्ध करता हो तो उसे वाक्यांश के लिए एक शब्द कहते हैं।
2. हम वाक्यांशों के लिए एक शब्द प्रयुक्त करना अच्छा समझते हैं क्योंकि ऐसे शब्दों के प्रयोग से भाषा में कसावट आती है और अभिव्यक्ति प्रभावशाली होती है।
3. अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग कर भाषा को प्रभावशाली बनाया जा सकता है।

उदाहरण – देश के बाहर माल भेजना	निर्यात
जिसके हृदय में ममता न हो	निर्मम
जिसके हृदय में दया न हो	निर्दयी
जिसका त्याग किया गया हो	निषेध
जिस पर कोई कलंक न लगा हो	निष्कलंक

4. अनेक शब्दों या वाक्यांशों तथा इनके लिए प्रयुक्त किए गए 'एक-एक शब्द' में से हम जल्दी एक शब्द को समझ जाते हैं क्योंकि एक ही शब्द के अधिकाधिक भाव समझ में आ जाते हैं तथा एक ही शब्द में उन्हें समझना भी आसान हो जाता है।

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ से दस पंक्तियों में लिखिए –

1. समकालीन – मैं और समीर स्कूल में समकालीन थे।
2. दत्तक – दत्तक पुत्र ने सीमा और रमेश की जिंदगी में कोहराम मचा रखा है।
3. छात्रावास – पिताजी की इच्छा के कारण मुझे छात्रावास जाना पड़ा।
4. बहुरूपिया – एक बहरूपिया द्वार-द्वार घूमकर भिक्षा माँग रहा था।
5. रतौंधी – रतौंधी आँखों की एक बीमारी है।

6. राघव – राघव खाना खाकर सो चुका है।

7. राधेय – राधेय मित्रों संग खेल रहा है।

8. कुलीन – उसका जन्म कुलीन परिवार में हुआ है।

9. अल्पाहारी – मेरे दादा जी अल्पाहारी है।

10. श्रोता – सभी श्रोता यथास्थान बैठे भाषण सुन रहे थे।

पाठ–21 : विलोम शब्द

खण्ड 'क'

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

1. पाताल	2. लिखित	3. स्वार्थ
4. स्वतन्त्र	5. अपूर्व	6. पश्च
7. रंक	8. पतन	9. अशिष्ट
10. स्तुति	11. निरादर	12. तिरस्कार

ख. इन्हें सुमेलित कीजिए –

अ	ब
शिष्टाचार	दुराचार
तप्त	शीत
सजीव	निर्जीव
पठित	अपठित
शिक्षित	अशिक्षित

ग. विलोम शब्द लिखिए–

वृद्ध–युवा	उत्थान–पतन	निर्दय–दयावान
पुण्य–पाप	निरक्षर–साक्षर	लौकिक–अलौकिक
मलिन–निर्मल	तामसिक–सात्विक	प्रलय–सृष्टि

संकलित निर्धारण

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक–एक पंक्ति में लिखिए।–

1. विलोम शब्दों के अर्थ किसी शब्द के ठीक उल्टे अर्थ होते हैं।

2. विलोम शब्दों को 'विपरीतार्थक शब्द' नाम से जाना जाता है।

3. 'कठिन' का विपरीतार्थक 'सरल' होगा।
4. 'अशिक्षित' 'शिक्षित का विलोम है।
5. 'तीव्र' का विलोम-मंद
मंद का अर्थ- धीमे

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छः पंक्तियों में लिखिए-

1. जो शब्द किसी शब्द के ठीक उलटे अर्थ का बोध कराते हैं, उन्हें विलोम शब्द कहते हैं।
2. खरा-खोटा चतुर-मूर्ख गुण-अवगुण
आकाश-पाताल बंधन-मुक्ति मौखिक-लिखित
विशेष-सामान्य विधवा-सधवा परमार्थ-स्वार्थ
नया-पुराना तीव्र-मंद दानी-कृपण
सभ्य-असभ्य
3. 1. राजा-रंक = राजा हो या रंक सभी को ईश्वर के दरबार में सिर झुकाना पड़ता है।
2. उत्तीर्ण - अनुत्तीर्ण - अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों की दोबारा परीक्षा ली जाएगी।
3. धनी-निर्धन = मेरे कई मित्र धनी परिवार से हैं, जबकि कुछ मित्र निर्धन परिवार से हैं।
4. हित-अहित = हमें सभी का हित करना चाहिए, ना कि अहित।
5. विजय-पराजय = भगवान राम की विजय के साथ ही रावण की पराजय हो गई।
6. आदर-अनादर = हमें अपने से छोटे व बड़ों का आदर करना चाहिए ना कि अनादर।

घ. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए -

1. राजा-रंक = राजा हो या रंक सभी को ईश्वर के दरबार में सिर झुकाना पड़ता है।
2. बसंत-पतझड़ = पतझड़ बीतते ही बसंत ऋतु आ जाती है।
3. आजादी-गुलामी = देशभक्तों को अंग्रेजों की गुलामी कभी स्वीकार नहीं थी।
4. प्रेम-घृणा = हमें किसी से घृणा नहीं करनी चाहिए।
5. बसंत-पतझड = पतझड़ बीतते ही बसंत ऋतु आ जाती है।

पाठ–22 : पर्यायवाची शब्द

रचनात्मक निर्धारण

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

1. श्रेष्ठ	2. कुशल	3. आक्रोश
4. जीत	5. रमा	6. जगत
7. वार	8. दर्प	9. उच्च
10. सुरसरि	11. वधू	12. घनागम
13. प्रसून	14. गज	15. लंबोदर

ख. इन्हें सुमेलित कीजिए–

अ	**ब**
कुल, घराना, तंत्र	वंश
आपदा, प्रकोप अरिष्ट	संकट
अदिति, कुदरत, माया	प्रकृति
कृपा, तरस, करुणा	दया
उच्च, महाशय, मूर्धन्य	महान

संकलित निर्धारण

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक पंक्ति में लिखिए।–

1. पर्यायवाची शब्द को और समानार्थी शब्द तथा समानार्थक शब्दों के नामों से जाना जाता है।
2. बारिश– वृष्टि, वर्षा
   मंदिर–देवालय, देवस्थान
   विलोम–विपरीत, उलटा
3. 'माता' –माँ, अंबा, जननी
4. 'बादल' – जलद, मेघ, जलधर
5. 'समुद्र' – सागर, जलधि, सिंधु
6. 'पृथ्वी' – धरा, धरती, भू
7. 'आकाश' – आसमान, नभ, गगन

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच से छः पंक्तियों में लिखिए–

1. जिन शब्दों का अर्थ एक-दूसरे से मिलता-जुलता होता है किंतु उनके भाव में थोड़ा अंतर होता है, वे पर्यायवाची शब्द कहलाते हैं।

2. हिंदी भाषा में पर्यायवाची शब्दों का अत्यधिक महत्त्व है। इससे भाषा और बातचीत में नयापन बना रहता है। पर्यायवाची शब्द किसी भी भाषा की सबलता की बहुता को दर्शाता है। भाषा में पर्यायवाची शब्दों के प्रयोग से पूर्ण अभिव्यक्ति की क्षमता आती है।

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ से दस पंक्तियों में लिखिए –

1. द्वेष, जलन, कुढ़न — 2. आशीष, उपहार, आशीर्वाद
3. जाति, कुल, खानदान — 4. मुखिया, नेता, सचिव
5. माफी, रहम, मेहरबानी — 6. खत्म, समाप्त, इति
7. प्रतिशोध, पलटा, प्रतिकार — 8. खुशबू, सुगंध, गंध
9. विपरीत, उल्टा, प्रतिलोम — 10. देवगृह, देवस्थान, देवालय

घ. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायों को अपने वाक्यों में प्रयोग करके लिखिए–

1. दवाई – मैंने बुखार की दवाई खायी और सो गया।
2. नतीजा – आज मेरी वार्षिक परीक्षा का नतीजा आएगा।
3. झूठ – नेहा बहुत झूठ बोलती है।
4. सच – हमें सदैव सच बोलना चाहिए।
5. मानव – मानव एक सामाजिक प्राणी है।

पाठ–23 : मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ

रचनात्मक निर्धारण

क. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए–

1. व्यर्थ बड़ाई करना — 2. अधिकार जमाना — 3. भाग जाना
4. एक हो जाना — 5. अत्यंत प्रसन्नता मनाना
6. बुराई करना — 7. अच्छा न लगना — 8.आक्षेप/लांछन लगाना
9. घबरा जाना — 10. बहुत खुश होना
11. सर्वस्व नष्ट हो जाने पर भी अकड़ का न जाना
12. जो मिल जाए वही काफी
13. केवल बाहरी दिखावा — 14. अच्छे काम का फल भी अच्छा होता है।
15. सच्चे को डरने की आवश्यकता नहीं

ख. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर उन्हें अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. बहुत अधिक खुश होना– जब से रीमा की शादी हुई है उसके तो धरती पर

पाँव नहीं पड़ रहे हैं।

2. धोखा देना–चोर पुलिस को चकमा देकर भाग गया।
3. व्यर्थ की धमकी देना– तुम्हारे बंदर घुड़की से मैं डर नहीं जाऊँगा।
4. अत्यंत लज्जित होना–अपने बेटे की करतूतों के बारे में जानकर रजत के माता–पिता पर घड़ों पानी पड़ गया।
5. अपने आपे में न रहना– गुस्से में अजीत का अपने ऊपर काबू नहीं रहता मानों उसके सिर पर खून सवार हो जाता है।

ग. उचित मुहावरों द्वारा रिक्त स्थानों को भरिए –

1. उड़न–छू हो जाए
2. अपना सिक्का जमा लिया है।
3. अक्ल के दुश्मन
4. कलेजा काँप गया।
5. ईंट–से–ईंट बजा दूँगा।

घ. निम्नलिखित अर्थों के लिए उपयुक्त मुहावरे लिखिए –

1. एक और एक ग्यारह होना
2. हथेली पर सरसों आना।
3. मरने को भी छुट्टी न होना
4. आ बैल मुझे मार।
5. घाट–घाट का पानी पीना

ङ. निम्नलिखित लोकोक्तियों के अर्थ लिखिए –

1. जबरदस्ती गले पड़ना।
2. जब अंत ठीक हुआ है तो सब ठीक हुआ है।
3. अनपढ़ होना
4. मूर्ख को गुण की परख न होना
5. एक खराब चीज सारी चीजों को खराब कर देती है।

च. नीचे दिए गए अर्थ के आधार पर लोकोक्तियाँ लिखिए –

1. पूत के पाँव पालने में दिखना
2. विधि का लिखि को मेट न होता
3. भीष्म प्रतिज्ञा
4. लेना एक न देना दो
5. छप्पर फाड़कर मिलना

छ. खाली स्थान भरकर सही लोकोक्ति बनाइए –

1. मार
2. भेदी
3. सब
4. बैल मरे या सूखा
5. जुलाहा मार

संकलित निर्धारण

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक पंक्ति में लिखिए।–

1. मुहावरा वाक्य का एक अंश होता है जिसका एक लाक्षणिक अर्थ होता है।

2. वे कहावतें तथा बातें, जो जनसाधारण में प्रचलित हैं, लोकोक्तियाँ कहलाती हैं।
3. थाली का बैंगन – हर समय विचार बदलने वाला।
4. घर का भेदी लंका ढावै – आपसी फूट से विनाश होता है।
5. 'सिक्का जमाना' मुहावरा है।
6. रमेश का बेटा तो मिट्‌टी का माधो है, उसे कुछ भी समझाना बेकार है।
7. 'पीठ ठोंकना' का अर्थ – शाबाशी देना।
8. चैन की बंशी बजाना का अर्थ–चिंतामुक्त होना
9. राहुल शोर मचाने की अपनी आदत से कभी भी बाज नहीं आएगा।
10. 'लेना एक न देना दो' – कोई मतलब नहीं।
11. 'चोर–चोर मौसेरे भाई' का अर्थ समान आदत वाले लोगों में बहुत–कुछ समानताएँ होती हैं।
12. 'कहाँ राजा भोज कहाँ गंगू तेली' का अर्थ दो असमान व्यक्तियों की तुलना है।
13. 'रघुकुल रीति सदा चली आई, प्राण जाए पर वचन न जाईं' – दृढ़प्रतिज्ञ, वचन के लिए प्राणों को भी दे देते हैं।
14. 'मुँह में राम और बगल में छुरी'–रमा के बारे में सभी रिश्तेदार जानते हैं। उसके व्यवहार और स्वभाव के बारे में सभी कहते हैं कि – मुँह में राम बगल में छुरी।
15. 'भूखे भजन न होय गोपाला' (भूखा आदमी कुछ नहीं कर सकता) – मुझे तो बड़े जोर की भूख लगी है। जल्दी से कुछ खाने को लाओ, वरना मुझसे कुछ काम न होगा– भूखे भजन न होय गोपाला।

ख. इन प्रश्नों के उत्तर पाँच से छः पंक्तियों में लिखिए–

1. मुहावरे – ऐसी बातचीत, जो भाषा को प्रवाहपूर्ण तथा साहित्यिक बना दे, मुहावरे का रूप होती है। भाषा में आकर्षण, सरसता, प्रभाव तथा रोचकता, मुहावरा प्रयोग करने से आती है। मुहावरे का अर्थ शाब्दिक की बजाय लाक्षणिक होता है।

   लोकोक्तियाँ – वे कहावतें तथा बातें, जो जनसाधारण में प्रचलित हैं, लोकोक्तियाँ कहलाती हैं। लोकोक्तियाँ स्वयं में पूरा वाक्य होती है। लोकोक्ति के साधारण तथा सांकेतिक दो अर्थ होते हैं। लोकोक्तियाँ बुजुर्ग लोगों से

अर्जित ज्ञान एवं अनुभव पर वर्णित होती हैं। इनका हमारे दैनिक जीवन में सटीक अर्थ बैठता है।

2. लोकोक्तियाँ – वे कहावतें तथा बातें, जो जनसाधारण में प्रचलित हैं, लोकोक्तियाँ कहलाती हैं। लोकोक्तियाँ स्वयं में पूरा वाक्य होती है। लोकोक्ति के साधारण तथा सांकेतिक दो अर्थ होते हैं। लोकोक्तियाँ बुजुर्ग लोगों से अर्जित ज्ञान एवं अनुभव पर वर्णित होती हैं। इनका हमारे दैनिक जीवन में सटीक अर्थ बैठता है।

   उदाहरण – विधि का लिखा को मेटनहारा–होनी प्रबल होती है।
   चमड़ी जाए पर दमड़ी न जाए – कंजूस होना।

3. मुहावरे – ऐसी बातचीत, जो भाषा को प्रवाहपूर्ण तथा साहित्यिक बना दे, मुहावरे का रूप होती है। भाषा में आकर्षण, सरसता, प्रभाव तथा रोचकता, मुहावरा प्रयोग करने से आती है। मुहावरे का अर्थ शाब्दिक की बजाय लाक्षणिक होता है।

   उदाहरण – बच्चों का खेल – बहुत सरल काम
   पहाड़ों पर चढ़ना कोई बच्चों का खेल नहीं।

4. 1. पापड़ बेलना–काफी मुसीबत सहना–अपनी नौकरी पाने के लिए मैंने काफी पापड़ बेले हैं।

   2. बच्चों का खेल–बहुत सरल काम – पहाड़ों पर चढ़ना कोई बच्चों का खेल नहीं है।

   ठुकरा देना – अस्वीकार कर देना – प्रधानाचार्य ने मेरी छुट्टी का प्रार्थना–पत्र ठुकरा दिया।

   3. खुलेआम–सबके सामने–राका ने आज खुलेआम रमेश को गोली मार दी।

5. 1. ऊँची दुकान फीके पकवान– केवल बाहरी दिखावा – सेठ रामचंद है तो करोड़पति लेकिन है पूरा मक्खीचूस, सच ही है ऊँची दुकान फीके पकवान।

   2. एक तो चोरी ऊपर से सीना–जोरी–अपराध करके अकड़ना–एक तो उसने मेरी किताब चोरी कर ली और ऊपर से आंख दिखा रहा है। इसी को कहते हैं– एक तो चोरी ऊपर से सीना जोरी।

   3. दीवार के भी कान होते हैं– गुप्त बात कभी छिप नहीं सकती–अरे ! संभलकर बोलिये दीवारों के भी कान होते हैं।